दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

प्राणायाम को अपने रूटीन का ...8
सिद्धार्थनगर
सोमवार , 06 जलाई 2026
वर्ष: 13 अंक : 197 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

राम मंदिर चंदा विवाद से हिन्दू आस्था आहत

मोहन भागवत बोले– होसबाल की हर बात से 100 प्रतिशत सहमत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को राम मंदिर चंदे के विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले पर संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले की बात से पूरी तरह सहमत हैं। नागपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब भागवत से चंदा चोरी के आरोपों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ह्योसबाले जी का बयान देखिए... मेरी भी वही प्रतिक्रिया है।ष्महासचिव दत्तात्रेय होसबाले का बयानः इससे पहले शुक्रवार को आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने इस मामले पर एक बयान जारी किया था। उन्होंने कहा था कि अयोध्या के राम मंदिर में चंदे की हेराफेरी के आरोपों ने पूरे समाज की भावनाओं और आस्था को गहरी ठेस पहुंचाई है। होसबाले ने सरकार और जांच एजेंसियों से मांग की थी कि इस मामले की पूरी जांच की जाए और जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसे सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए।

हिंदू समाज से सब्र रखने की अपील

होसबाले ने अपने बयान में इस बात पर भी जोर दिया था कि कुछ हिंदू विरोधी और देश–विरोधी ताकतें इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं। वे इस बहाने हिंदू धर्म को बदनाम करना चाहती हैं। उन्होंने हिंदू समाज से अपील की कि इस मुश्किल समय में वे सब्र और संयम बनाए रखें और ऐसी किसी भी साजिश को कामयाब न होने दें।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में प्रशांत किशोर का बड़ा दांव

बीजेपी को हराने के लिए तेजस्वी से मांगी मदद

पटना। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव ने राज्य के सियासी पारे को बढ़ा दिया है। जन सुराज पार्टी की ओर से खुद को उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद प्रशांत किशोर ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है।

चुनावी मैदान में उतरते ही उन्होंने विपक्षी महागठबंधन (आरजेडी और कांग्रेस) के सामने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। प्रशांत किशोर ने खुले मंच से तेजस्वी यादव और उनके सहयोगी दलों से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने गठबंधन से अनुरोध किया है कि वे इस चुनाव में जाति और मजहब के पुराने बंधनों को तोड़कर जन सुराज का साथ दें।

चार सालों से जन सुराज ही मेरी जिंदगी

बांकीपुर सीट से अपनी उम्मीदवारी तय होने के बाद प्रशांत किशोर काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि पिछले चार सालों से जन सुराज ही उनकी जिंदगी, उनका घर और एकमात्र मिशन रहा है। पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, वे उसे पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। पीके ने दावा किया कि यदि बांकीपुर की जनता का आशीर्वाद उन्हें मिला, तो वे यह चुनाव जरूर जीतेंगे।

उपचुनाव को बताया मौजूदा सरकार की परीक्षा

प्रशांत किशोर ने राज्य की मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह उपचुनाव सरकार के कामकाज का लिटमस टेस्ट है। जनता सरकार की नीतियों और फैसलों से कितनी खुश है, इसका फैसला बांकीपुर के चुनावी नतीजों से पूरी तरह साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता इस परीक्षा में सरकार को पास करती है या फेल।

सरकार तो नहीं बदलेगी, लेकिन दिशा तय होगी

पीके ने साफ किया कि बांकीपुर उपचुनाव के नतीजों से रातों–रात बिहार की मौजूदा सरकार नहीं गिर जाएगी, लेकिन इस एक सीट का परिणाम बिहार की भविष्य की राजनीति को एक नई और सकारात्मक दिशा जरूर दे सकता है। उन्होंने जागरूक मतदाताओं से अपील की कि वे इस बड़े मौके को हाथ से न जाने दें और काम करने वाले सही उम्मीदवार को चुनकर राज्य में बदलाव की नई हवा चलाएं।

चंदन होला में आधी रात धधकी फैक्ट्री, 8 घंटे चला आग का तांडव

दिल्ली के चंदन होला इलाके में रविवार तड़के करीब 2:00 बजे एक फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। यह फैक्ट्री पंजाब नेशनल बैंक के पास स्थित है। दमकल अधिकारी मनीष शेरावत ने बताया कि उन्हें रात करीब 2:30 बजे इस हादसे की जानकारी मिली थी। आग इतनी भयानक थी कि उसने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। 30 गाड़ियों ने 8 घंटे में पाया काबू फायर ब्रिगेड के अधिकारियों के मुताबिक, आग लगभग 5,000 वर्ग गज के बड़े इलाके में फैली हुई थी और इसकी तीव्रता बहुत ज्यादा थी। आग बुझाने के लिए एक–एक करके कुल 30 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इसे मध्यम श्रेणी की आग घोषित किया गया था। दमकल कर्मियों की भारी मशक्कत के बाद, लगभग 8 घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। कोई हताहत नहीं, जांच जारीः राहत की बात यह है कि इस बड़े हादसे में किसी की जान नहीं गई है और न ही कोई घायल हुआ है। फैक्ट्री में आग किस वजह से लगी, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की बारीकी से जांच की जाएगी, जिसके बाद ही आग लगने के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

उत्तर प्रदेश में 2027 की जीत 2029 में आसान करेगी एनडीए की राह

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को भरोसा

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने लखनऊ के दो दिन के प्रवास पर रविवार को अंतिम कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर अवध के शक्ति केंद्रों से संवाद किया। अवध क्षेत्र में शक्ति केंद्र प्रमुखों की संख्या साढ़े छह हजार है।

नितिन नवीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भूमि ऋषि–मुनियों और संतों की भूमि है। इस भूमि ने ऐसे–ऐसे महापुरुषों को जन्म दिया, जिसने देश ही नहीं, दुनिया को संदेश देने का काम किया है। मैं इस पवित्र भूमि को, यहां की मिट्टी को नमन करता हूं, जिसने भारत की आत्मा और संस्कृति को नई धार दी है।

यूपी के चुनाव की तैयारी और शंखनाद

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं यूपी के चुनाव की तैयारी और शंखनाद के लिए आया था। उन्होंने कहा कि हमें अपने शक्ति केंद्रों पर भरोसा है और मैं तो इन्हीं के दम पर कह सकता हूं कि उत्तर प्रदेश में 2027 में भी भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही हैट ट्रिक नहीं बनाएगी, बल्कि 2029 के लिए केंद्र सरकार का रास्ता साफ होगा और एनडीए की सरकार बनेगी। नितिन नवीन ने कहा कि आज मैं यहां चारों तरफ जो जोश और उत्साह देख रहा हूं, ये इस बात का परिचायक है कि 2027 में भाजपा का एक–एक कार्यकर्ता यहां कमल खिलाने को तैयार बैठा है। शक्ति केंद्रों के हमारे संयोजकों की ताकत ये साफ–साफ बता रही है। जब हमारे कार्यकर्ताओं का उत्साह और ऊर्जा सामने आ जाती है, तो विपक्ष चाहे कितनी भी ताकत लगा ले, उसे धूल चटाने का काम भाजपा के कार्यकर्ता करेंगे।

यूपी की कानून–व्यवस्था को भी काफी सराहाः उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार की कानून–व्यवस्था को भी काफी सराहा। उन्होंने कहा कि पहले तो उत्तर प्रदेश के हर जिले का अपना अलग दादा, अलग गुंडा और अलग माफिया होता था, लेकिन अब सब गायब हो गये हैं। भाजपा सरकार ने माफिया और गुंडाराज को हर जिले ही नहीं हर गांव से समाप्त कर दिया है।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में चंपतराय और अनिल मिश्रा के विकल्प की हो रही तलाश, अयोध्या में बैठक आज

अयोध्या। विश्व विख्यात अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी सामने आने के बाद जिस तरह से ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्र की भूमिका सामने आई, उससे कल श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बहुप्रतीक्षित बैठक में कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। चंपतराय और अनिल मिश्र के त्यागपत्र स्वीकार करने के साथ ही इनके विकल्पों पर भी चर्चा हो सकती है। बजरंग बांगड़ा, नीरज दौनेरिया के नाम शामिल विकल्प में शामिल हैं। मणिरामदास जी की छावनी में सोमवार को दोपहर बाद तीन बजे से ट्रस्ट की बैठक होगी। इसको लेकर हर तरफ सरगर्मी है। ट्रस्टी स्वामी जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, युगपुरुष स्वामी परमानंद व कृष्ण मोहन इसमें शामिल होने रामनगरी पहुंच चुके हैं। कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी, नृपेंद्र मिश्रा, स्वामी विश्वप्रसन्नतीर्थ, सहित अन्य कुछ सदस्यों के सोमवार को सुबह पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा वरिष्ठ अधिवक्ता ट्रस्टी के पारासरन सहित कुछ अन्य वर्चुअल रूप से बैठक में हिस्सा लेंगे। ट्रस्ट अध्यक्ष मणिराम दास जी की छावनी के महांत नृत्यगोपाल दास अध्यक्षता करेंगे। कोषाध्यक्ष गोविंद गिरि ने सभी सदस्यों को बैठक में रहने के लिए कहा है। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बीच मणिरामदास की छावनी में सोमवार को अपराह्न तीन बजे से श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बहुप्रतीक्षित बैठक होगी।

दिल्ली आईजीआई हवाई अड्डे पर मौसम का डबल अटैक, तेज आंधी–बारिश से 15 विमान का रास्ता बदला

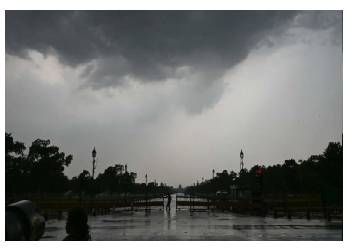

दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में रविवार को मौसम ने खतरनाक रूप ले लिया। अचानक आई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों की उड़ानों पर बहुत बुरा असर पड़ा है। आसमान में साफ न दिखने और तेज हवाओं के कारण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुल 15 उड़ानों का रास्ता बदलना पड़ा। हवाई अड्डे के सूत्रों के अनुसार, इनमें 10 घरेलू और 5 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं, जिन्हें जयपुर और लखनऊ के हवाई अड्डों की तरफ भेजा गया है। एयरलाइंस ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की ताजा स्थिति जरूर जांच लें। राजधानी के कई इलाकों में आज जोरदार बारिश हुई है। मौसम विभाग ने स्थिति को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग का कहना है कि शहर के कुछ हिस्सों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज और धूल भरी हवाएं चल सकती हैं।

ग्वालियर–चंबल की बदलेगी तस्वीर, सिंधिया लाए अग्रणी गुप की मिसाइल फैक्ट्री, मिलेंगे 5000 रोजगार

भेपाल। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में शिवपुरी जिले में अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस द्वारा स्थापित किए जा रहे दक्षिण एशिया के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े मिसाइल एवं एडवांस्ड डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम का शिलान्यास किया।

लगभग ध्2,500 करोड़ के निवेश से विकसित होने वाली यह परियोजना भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ–साथ ग्वालियर–चंबल अंचल को देश के अग्रणी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करेगी। सिंधिया ने इसे राष्ट्रनिर्माण, राष्ट्रसेवा और राष्ट्रसुरक्षा के इतिहास में एक नया अध्याय और नया सवेरा बताया। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समय आ चुका है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक गति से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है और यह परियोजना उसी दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

इस फैक्ट्री की रणनीतिक स्थिति से मिलेगा राष्ट्रीय लाभ

उन्होंने कहा कि शिवपुरी के कोलारस क्षेत्र में स्थापित होने वाला यह डिफेंस कॉम्प्लेक्स कोटा कॉरिडोर एवं बॉम्बे–ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट स्थित होने के कारण देशभर के सैन्य प्रतिष्ठानों तक रक्षा उपकरणों की तेज और प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

फंदे से लटका मिला युवक, परिजनों ने हत्या के आरोप में पत्नी को पीटा, पुलिस पर भी किया हमला

गोरखपुर। संदिग्ध परिस्थिति में रविवार को युवक का शव कमरे में फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने परिवार वालों के साथ हंगामा करने लगे। हत्या का आरोप लगा पत्नी और साली को बंधक बना लिया। पिटाई की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों छुड़ाने की कोशिश की तो ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, गाड़ी का शीशा टूट गया। बाद में अन्य थानों की पुलिस ने पहुंचकर दोनों को मुक्त कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पिता ब्रह्मदेव निषाद की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी, साली और साढ़ू के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना पिपराइच थाना क्षेत्र के जंगलक्षत्रधारी के टोला ककरहिया गांव की है। पंकज निषाद डीजे का व्यवसाय करता था, उसकी शादी फरवरी में पीपीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम साखी निवासी महेंद्र साहनी की पुत्री प्रतिमा साहनी से हुई थी। पिता ब्रह्मदेव के अनुसार विवाह के बाद से ही पति–पत्नी के बीच संबंध सामान्य नहीं थे। पंकज को पत्नी के किसी अन्य युवक से संबंध होने का संदेह था, जिसे लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होता रहता था। शनिवार रात करीब 11 बजे भी दोनों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हुई। इसके बाद प्रतिमा ने अपनी बहन और बहनोई को भी मौके पर बुला लिया, जिसके बाद देर रात तक विवाद चलता रहा। फिर रविवार सुबह पंकज का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। इधर, शव लटकता देख परिवार वालों ने आरोप लगाया कि पंकज की हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया, ताकि मामला खुदकुशी का प्रतीत हो।

राम मंदिर पर चंदा चोरी के आरोप

वीएचपी ने केजरीवाल – प्रियंका गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली। राम मंदिर में चंदा चोरी के आरोपों को लेकर विपक्ष लगातार सरकार और ट्रस्ट पर हमला बोल रहा है। अब इन आरोपों के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील आलोक कुमार ने अयोध्या के पुलिस अधिकारी आशुतोष तिवारी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने प्रियंका गांधी वाड्रा, राम गोपाल यादव, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल समेत कई बड़े नेताओं के बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई है और पुलिस से इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है।

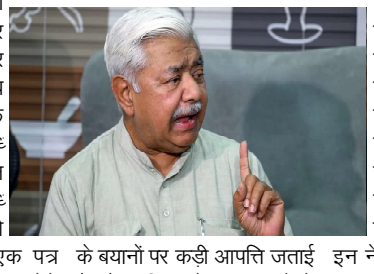

आरोपों के आधार की होः जांचः आलोक कुमार ने अपने पत्र में कहा है कि इन नेताओं ने जो आरोप लगाए हैं, उनके पीछे क्या सच्चाई या आधार है, इसकी पूरी जांच होनी चाहिए। पुलिस को इन नेताओं से पूछना चाहिए कि उन्हें यह जानकारी कहां से मिली। उन्होंने आगे लिखा कि अगर इन नेताओं के पास कोई पक्के सबूत हैं, तो वे जांच में मदद करें। लेकिन, अगर बिना किसी सबूत के इतने बड़े आरोप लगाए गए हैं, तो समाज में भ्रम फैलाने के लिए कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

नेताओं के किन बयानों पर आपत्ति?: पत्र में विपक्ष के नेताओं द्वारा दिए गए अलग–अलग बयानों का हवाला दिया गया है। राम गोपाल यादव (सपा): इन्होंने आरोप लगाया था कि राम मंदिर में 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला हुआ है। भक्तों द्वारा दान किए गए सोने, चांदी, हीरे और नकदी का पूरा हिसाब सामने नहीं रखा गया।

राम मंदिर चंदा चोरी पर सौरभ भारद्वाज का वीएचपी पर बड़ा हमला, कहा– संगठन पूरी तरह डर गया है

नई दिल्ली। राम जन्मभूमि चंदा चोरी के आरोपों को लेकर विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार द्वारा पुलिस को लिखे गए पत्र पर अब आम आदमी पार्टी ने तीखा पलटवार किया है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने इस मामले पर बयान जारी करते हुए विहिप पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

चंदा चोरी के मुद्दे से परेशान है विहिप

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि विहिप अध्यक्ष के इस कदम से यह साफ हो गया है कि संगठन इस बात से बहुत परेशान है कि देश भर में चंदा चोरी का मुद्दा उठाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विहिप के इरादे साफ नहीं हैं। अगर उनके इरादे साफ होते, तो वे खुद कहते कि उनकी संस्था के भीतर ही ऐसे कई लोग हैं जो इस मामले में सामने आकर गवाही देना चाहते हैं, क्योंकि इस ट्रस्ट में उनके ही संगठन से जुड़े लोग शामिल थे।

आलोक कुमार ने सरेंडर कर दिया

आप नेता ने आगे कहा कि विहिप ने अब तक अपनी तरफ से एक भी गवाह पेश नहीं किया है। इसका सीधा मतलब यह है कि आलोक कुमार ने एक तरह से सरेंडर कर दिया है। उन्होंने यह मान लिया है कि उनकी पार्टी या संगठन के लोग चंदा चोरी के इस मामले में गवाह बनने को तैयार नहीं हैं।

लक्ष्मण निषाद के घर पहुंचा कांग्रेस का प्रतिनिधि मण्डल: पीड़ित परिवार को दिलाया न्याय दिलाने का भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। लालगंज थानाक्षेत्र के मेहनौना गांव में भूमि विवाद के चलते हुई लक्ष्मण निषाद की हत्या के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवालों के बाद प्रथम .ष्टया घोर लापरवाही बरतने और समय पर उचित कदम न उठाने के आरोप में चौकी प्रभारी रखौना सब–इंस्पेक्टर बृजमोहन सिंह व आरक्षी बीट पुलिस अधिकारी अमरजीत यादव के निलम्बन के बावजूद आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमण्डल ने फरेन्दा विधानसभा से विधायक वीरेन्द्र चौधरी, आलोक प्रसाद प्रदेश उपाध्यक्ष, देवेन्द्र निषाद, कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बृजेश आर्य आदि ने पीडित परिवार से

मिलकर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देते हुए न्याय दिलाने का भरोसा दिया। कहा कि इस कठिन समय में पूरा समाज पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि स्थानीय पुलिस ने शिकायतों को गंभीरता से लिया होता और समय रहते एहतियाती कदम उठाए होते, तो इस जघन्य हत्याकांड को टाला जा सकता था। दुर्भाग्य से समूचे उत्तर प्रदेश के अनेक जनपदों में गरीबों, मजलूमों, अल्पसंख्यकों पर कहर ढाया जा रहा है। उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बृजेश आर्य ने प्रतिनिधिमण्डल को घटनाक्रम के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि यदि प्रशासन सक्रिय होता तो लक्ष्मण निषाद को बचाया जा सकता था। अब हत्या हो जाने के बाद पुलिस उस पर लीपापोती कर रही है और सत्तारूढ भाजपा के लोग चुप्पी साधे हुये हैं।मेहनौना गांव में लक्ष्मण निषाद के घर पहुंचकर ढांढस बधाने वालों में मुख्य रूप से अनिल भारती, कौशल त्रिपाठी, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, लबोनी सिंह, डा. आलोक वर्मा, राजबहादुर निषाद, डा. शीला शर्मा, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, मोहम्मद रफीक खान, कर्नल ए.के. सिंह, अलीम अख्तर, अमर बहादुर शुक्ला, गंगा मिश्र, सर्वेश शुक्ला, शोभित चौधरी, पंकज राव, राम पुराण चौधरी, मनीष दुबे, संजय कुमार, मुकेश, महेश कुमार, संजय चौधरी, पप्पू चौधरी, रमेश चौधरी, अमरेश पटेल, अमित चौरसिया, सुनील कुमार, शौकत अली 'नन्हू' शिवविभूति मिश्र, नीलम विश्वकर्मा, अवधेश सिंह, मंजू पाण्डेय, अनूप पाठक, राम सिंह के साथ ही कांग्रेस कें अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

अवसर मिला तो विधानसभा चुनाव मैंदान में उतरेंगे अभय प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भाजपा कार्यकारिणी सदस्य एवं हिन्दू युवा वाहिनी के वरिष्ठ कार्यकर्ता अभय प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने अपने 24 वर्षों के संगठनात्मक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2002 से वह हिंदू युवा वाहिनी के माध्यम से राष्ट्र, धर्म और समाज की सेवा में निरंतर सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि संगठन में नगर अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष एवं जिला संयोजक जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करते हुए वाराणसी, मिर्जापुर, चंदौली और बस्ती सहित कई जनपदों में संगठन के विस्तार और हिंदुत्व के प्रचार–प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में बस्ती

में परमपूज्य महाराज योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में विशाल हिंदू चेतना रैली एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 35 हजार लोगों ने भाग लिया।जिला अध्यक्ष के रूप में अभय प्रताप सिंह ने बस्ती के सभी 14 विकास खंडों, नगर के 25 वार्डों तथा तहसील से लेकर न्याय पंचायत स्तर तक संगठन का विस्तार कर मजबूत संगठनात्मक ढांचा तैयार किया। साथ ही गौरीदत्त धर्मशाला में महाराज जी की उपस्थिति में भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन का सफल आयोजन भी कराया।उन्होंने सामाजिक समरसता को संगठन की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि हरिजन बस्तियों में नियमित समरसता भोज का आयोजन किया गया तथा छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया गया। उनके कार्यकाल में शुरू हुआ फलाहार कार्यक्रम आज बस्ती की पहचान बन चुका है और पूरे उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है।अभय प्रताप सिंह ने कहा कि 24 वर्षों के संगठनात्मक जीवन में उन्होंने सदैव बेदाग, समर्पित एवं कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया है। समाज के सभी वर्गों का उन्हें सम्मान और विश्वास प्राप्त हुआ है।उन्होंने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की इच्छा भी व्यक्त की। उनका कहना है कि यदि पार्टी नेतृत्व उन्हें अवसर देता है, तो वह संगठन की नीतियों और जनसेवा के अपने अनुभव के बल पर क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का निर्णय उनके लिए सर्वोपरि होगा और वह सदैव संगठन के अनुशासित कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते रहेंगे।

धीरेन्द्र शास्त्री के जन्मदिन पर पैड़ा धाम का बड़ा संकल्प, दो बच्चों की शिक्षा का लिया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जिले में आयोजित एक विशेष धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम के दौरान पैड़ा धाम में समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रमुखता से दिया गया। अवसर था धीरेन्द्र शास्त्री के जन्मदिन समारोह का, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान पैड़ा धाम के महंत गोविन्द दास ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दोहराते हुए महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। महंत गोविन्द दास ने कहा कि पैड़ा धाम केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग के उत्थान और जनकल्याण के लिए भी निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि पैड़ा धाम दो बच्चों की शिक्षा–दीक्षा का पूरा दायित्व अपने स्तर पर उठाने का संकल्प ले रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे कई बच्चे हैं जो आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण अपनी शिक्षा पूरी नहीं कर पाते हैं।

ऐसे बच्चों को उचित शिक्षा और संस्कार प्रदान करना समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति और संस्थान की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी व्यक्ति के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। शिक्षित समाज ही विकास की ओर अग्रसर होता है

और एक बेहतर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाता है। उन्होंने लोगों से भी समाज के जरूरतमंद बच्चों की मदद करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी प्रमुख रूप से दिया गया। महंत गोविन्द दास ने उपस्थित लोगों के बीच पौधों का वितरण किया और सभी से इन पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी देखभाल करना और उन्हें सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है।हंत गोविन्द दास ने कहा, "ये केवल पौधे नहीं हैं, बल्कि हमारे जीवन का महत्वपूर्ण आधार हैं। वृक्ष और पौधे हमें शुद्ध वायु, छाया और पर्यावरण संतुलन प्रदान करते हैं। आज बढ़ते प्रदूषण और बदलते पर्यावरणीय हालात को देखते हुए हर व्यक्ति को पौधारोपण के प्रति जागरूक होना चाहिए।

"उन्होंने आगे कहा कि यदि आज हम पर्यावरण के संरक्षण के प्रति गंभीर नहीं होंगे तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान महंत गोविन्द दास ने स्वयं भी वृक्षारोपण किया और लोगों को पर्यावरण बचाने की दिशा में आगे आने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज और धर्म दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं और समाज के हित में किए गए कार्य भी एक प्रकार का धर्म ही हैं।इस दौरान उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के उत्थान और सामाजिक विकास के लिए हर संभव प्रयास लगातार जारी रहेगा। धार्मिक गतिविधियों के साथ–साथ समाज सेवा, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों को भी प्राथमिकता दी जाएगी।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने महंत गोविन्द दास के विचारों की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

विश्व हिन्दू महासंघ जनपद इकाई की बैठक में संगठन की मजबूती पर की गई चर्चा, कार्यकर्ताओ में सौंपी गई जिम्मेदारियां

कुशीनगर। विश्व हिन्दू महासंघ जनपद इकाई कुशीनगर की मासिक बैठक नगर के जेपी पैलेस में सम्पन्न हुआ। बैठक में संगठन की मजबूती एवं विस्तार पर चर्चा की गई। साथ ही समस्त पदाधिकारियों को नगर एवं ब्लाकवार जिम्मेदारियां सौंपी गई ताकि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सके। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष दिग्विजय किशोर शाही ने कहा कि जाति तोड़ो समाज जोड़ो का नारा बुलंद करते हुए जाति, पाती छुआ छूत के भेदभाव को समाप्त करने का अभियान चलाना होगा। उन्होंने कहा कि जटहा बगहा पुल निर्माण हेतु विश्व हिन्दू महासंघ उत्तर प्रदेश का एक प्रतिनिधि मंडल प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर इस विषय पर चर्चा कर यथाशीघ्र पुल निर्माण हेतु मांग करेगा। प्रदेश मंत्री राजन जायसवाल ने कहा कि अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में पडरौना में विराट हिन्दू महा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें दस हजार कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। विश्व हिन्दू महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के नेतृत्व में प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में विशिष्ठ अतिथि विश्व हिन्दू महासंघ के गोरक्ष प्रांत के संभाग प्रभारी कमलेश शाही द्वारा संगठन की मजबूती के लिए विकास खण्ड वार जिम्मेदारी सौंपी गई। जिसमें खड्डा में नगीना गौतम, नेबुआ नौरंगिया में अवधेश कुशवाहा, फाजिलनगर में राधेश्याम मद्धेशिया, कसया में अजय श्रीवास्तव एवं पवन सिंह, पडरौना में नागेन्द्र पासवान और राजनाथ, विशुनपुरा में दीपलाल चौहान, प्रदीप बर्नवाल, आत्मा गुप्ता, अनिल मिश्र, धर्मेन्द्र चौहान, ब्रजबासुरी साहनी, कप्तानगंज में राजेश साहनी, किरण यादव, मोतीचक संदीप सिंह, रामू राव, हाटा प्रतीक बर्नवाल, धर्मेन्द्र सिंह, जयप्रकाश जायसवाल, मदन, सुधीर रूंगटा, रामकोला मे संतोष जायसवाल, जोगी प्रसाद, दुदही में रंजीत तिवारी, रामायण निषाद, रामदेव निषाद, सेवरही में अजय श्रीवास्तव, कृपा शंकर गुप्ता आदि को संगठन की मजबूती के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संतोष जायसवाल तथा संचालन वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्र ने किया। बैठक में राजेन्द्र चौरसिया, ब्रह्मा वर्मा, दिनेश गुप्ता,, नरेंद्र प्रजापति, मुन्नीलाल, मनोहर कुशवाहा नरेंद्र मिश्रा, कैलाश कुशवाहा, रविन्द्र गुप्ता, राजेन्द्र चौरसिया, राधेश्याम मद्धेशिया, दिनेश गुप्ता, अजय श्रीवास्तव, पवन सिंह, मुन्ना कुमार, नगीना गौतम, रंजीत तिवारी, प्रमोद कुशवाहा, राजनाथ, रमाशंकर साधु, संतोष गिरी, साधु विशुनदेव गिरी, साधु श्याम बदन यादव, फुलगेना कुशवाहा, रविंद्र गुप्ता, धर्मेंद्र चौहान, बलराम तिवारी, हेमन्त कुमार, अनिल मिश्र, मुन्नी लाल कुशवाहा, मनोहर, अवधेश कुशवाहा, नरेंद्र प्रजापति, नागेन्द्र पासवान प्रदीप बर्नवाल दीपलाल, जोगी प्रसाद, रामायण निषाद, रामदेव निषाद सहित सैकड़ो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इटवा–बिस्कोहर मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा, किशोर की मौत, दूसरा गंभीर घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।इटवा थाना क्षेत्र के इटवा–बिस्कोहर मार्ग पर सेमरी गांव के पास शनिवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक किशोर की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार, मझौवा निवासी 17 वर्षीय अभय सोनी (पुत्र अजय वर्मा) और इटवा निवासी 17 वर्षीय अनूप एक बाइक से महादेव घुरुहु चौराहे से इटवा की ओर लौट रहे थे। जैसे ही वे सेमरी गांव के पास पहुंचे, उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई।हादसा इतना भीषण था कि दोनों किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इटवा पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही अभय सोनी ने दम तोड़ दिया। वहीं, घायल अनूप का उपचार बस्ती के एक निजी अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।थानाध्यक्ष संजय मिश्रा ने बताया कि उन्हें घटना की विस्तृत जानकारी अभी प्राप्त नहीं हुई है। सूचना मिलने के बाद मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बर्डपुर मंडल प्रवास में संगठनात्मक कार्यो की समीक्षा, बूथ सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रम

के अंतर्गत बर्डपुर मंडल में मंडल अध्यक्ष अमित उपाध्याय के आवास पर मंडल प्रवास आयोजित किया गया। प्रवास के दौरान मंडल के संगठनात्मक कार्यों, विभिन्न अभियानों एवं बूथ समितियों की समीक्षा की गई। साथ ही पार्टी द्वारा वर्तमान में संचालित अभियानों की प्रगति पर चर्चा करते हुए उन्हें बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया गया।बैठक में पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए नियमित प्रवास, बूथ समितियों के सक्रिय संचालन तथा पार्टी के कार्यक्रमों को जन–जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से विचार–विमर्श किया गया।इस अवसर पर जिला महामंत्री फतेहबहादुर सिंह, जिला महामंत्री फूलचंद जायसवाल, जिला मंत्री रामनारायण, जिला मीडिया प्रभारी रमेश मणि त्रिपाठी, जिला कोषाध्यक्ष पंकज जायसवाल, अजय उपाध्याय जिला कार्यालय मंत्री अनुराग श्रीवास्तव तथा सह मंत्री महेंद्र लोधी सहित मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे

मनीष चौरसिया के घर बैजलपुर पहुंचा सपा प्रतिनिधि मण्डल: दुःखी परिजनों को दिलाया न्याय दिलाने का भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के बैजलपुर में युवक मनीष चौरसिया की कथित पुलिसिया पिटाई से मौत मामले को लेकर रविवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मण्डल सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के नेतृत्व में बैजलपुर पहुंचा और पीड़ित परिवार से मिलकर न्याय दिलाने का ढाढंस बधाया। सपा नेताओं ने दुःखी परिवार को 50 हजार रूपये का आर्थिक सहयोग किया।सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि यदि पुलिस ने विवेक का परिचय दिया होता तो मनीष चौरसिया जिन्दा होता।

कहा कि भाजपा की सरकार में पुलिस निरंकुश होती जा रही है और थाने पर गरीबों की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होने कहा कि प्रशासन मनीष चौरसिया की कथित पुलिसिया पिटाई से मौत मामले की उच्च स्तरीय जांच कराये और दोषियों को कड़ा दण्ड दिलाया जाय।मनीष चौरसिया के परिजनों ने प्रतिनिधि मण्डल को बताया कि डॉयल 112 पुलिस के मारने से मनीष घायल हो गया। घायल होने के बाद पुलिस तुरन्त फरार हो गई। वे लोग एम्बुलेंस बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कलवारी ले गये जहां से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से कैली अस्पताल के लिए रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान मनीष चौरसिया की मौत हो गई।सपा के प्रतिनिधि मण्डल में विधायक राजेन्द्र चौधरी, कवीन्द्र चौधरी 'अतुल' , जिला महासचिव मो स्वालेह, महादेवा विधानसभाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी,जिला उपाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह,प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष श्याम नारायण शुक्ल कक्कू ,पूर्व जिला कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चौरसिया पूर्व प्रधान महेंद्र यादव, सुभाष यादव एवं अन्य वरिष्ठ समाजवादी पार्टी नेता, पदाधिकारी शामिल रहे। प्रतिनिधि मण्डल ने यथासंभव आर्थिक सहयोग प्रदान करते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। कहा कि पूरी समाजवादी पार्टी मजबूती के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी ने गढ़ी सफलता की नई इबारत, देश–विदेश में चमक रहे हैं पूर्व छात्र

सीबीएसई एवं यूपी बोर्ड की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों से बना बस्ती का अग्रणी शिक्षण संस्थान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी आज जनपद बस्ती के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में शामिल है। विद्यालय में सीबीएसई एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान की जाती है। यहां शिक्षा के साथ–साथ अनुशासन, नैतिक मूल्यों, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल दिया जाता है।विद्यालय के प्रबंध निदेशक विनय शुक्ला का कहना है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार, आत्मनिर्भर और राष्ट्रहित के प्रति

समर्पित नागरिक तैयार करना है, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें।उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी की सबसे बड़ी उपलब्धि इसके पूर्व छात्र हैं। विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर निकले अनेक छात्र–छात्राएं आज देश और विदेश में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। कई पूर्व विद्यार्थी भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवाओं सहित विभिन्न प्रतिष्ठित सरकारी और निजी संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं, जबकि अनेक छात्र विदेशों में अपने कार्य और उपलब्धियों से भारत और बस्ती का नाम रोशन कर रहे हैं।विद्यालय में आधुनिक शिक्षण व्यवस्था, अनुभवी एवं समर्पित शिक्षकों की टीम, स्मार्ट क्लास, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेलकूद की उत्कृष्ट सुविधाएं तथा नियमित सह–पाठ्यक्रम गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। समय–समय पर विज्ञान प्रदर्शनी, वाद–विवाद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, योग, पर्यावरण संरक्षण अभियान और करियर मार्गदर्शन कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।अभिभावकों का बढ़ता विश्वास और विद्यार्थियों की निरंतर सफलता इस बात का प्रमाण है कि उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि प्रतिभाओं को निखारकर उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला एक सशक्त शिक्षण संस्थान है। प्रबंध निदेशक विनय शुक्ला के नेतृत्व में विद्यालय निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करते हुए बस्ती जनपद का गौरव बढ़ा रहा है।

कोतवाली पुलिस ने चोरी के मामले में अभियुक्त को किया गिरफ्तार'

'दुकान से चोरी किए गए 41 नोजपिन व नकदी बरामद, आगे की कार्रवाई जारी'

गोरखपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी किए गए 41 अदद नोजपिन (पीली धातु) व 620 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई 2026 को वादी द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया था कि 2 जुलाई को अज्ञात व्यक्ति ने उनकी दुकान से करीब 22 ग्राम सोना व 20 हजार रुपये नकद चोरी कर लिया था। इस संबंध में थाना कोतवाली पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अभियुक्त रोहित वर्मा पुत्र स्व. बिहारी वर्मा निवासी अलीनगर कर्मियान टोला, थाना कोतवाली, जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर चोरी के आभूषण व नकदी बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी भी की गई है। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आईजीआरएस शिकायत का बिना जांच निस्तारण का आरोपः छितही गांव में आवारा सांडों की समस्या पर रिपोर्ट लगाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा विकासखंड की ग्राम पंचायत छितही में आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज एक शिकायत के कथित फर्जी निस्तारण का मामला सामने आया है। गांव निवासी हरिशंकर मिश्र ने आरोप लगाया है कि उनकी शिकायत का बिना स्थलीय जांच किए ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि गांव में आवारा सांडों की समस्या अभी भी बनी हुई है।हरिशंकर मिश्र ने 14 जून 2026 को आईजीआरएस पोर्टल पर गांव में घूम रहे आवारा सांडों को पकड़वाने की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि खंड विकास अधिकारी खेसरहा ने शिकायत के निस्तारण की जिम्मेदारी ग्राम

सचिव जितेंद्र सिंह को सौंपी थी। इसके बाद पोर्टल पर यह रिपोर्ट लगा दी गई कि गांव के निरीक्षण के दौरान कोई आवारा पशु नहीं मिला।शिकायतकर्ता हरिशंकर मिश्र का कहना है कि ग्राम सचिव जांच के लिए गांव आए ही नहीं। इसके बावजूद निरीक्षण रिपोर्ट लगाकर शिकायत का निस्तारण कर दिया गया, जो पूरी तरह गलत है। उनका यह भी कहना है कि गांव में आज भी आवारा सांड खुलेआम घूम रहे हैं और स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं।

उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में ग्राम सचिव जितेंद्र सिंह ने बताया कि सफाईकर्मी इन दिनों गांवों में दवा छिड़काव के कार्य में लगे हुए हैं। यह कार्य पूरा होने के बाद आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, शिकायतकर्ता का आरोप है कि मौके पर पहुंचे बिना शिकायत का निस्तारण करना गंभीर लापरवाही है, जिसकी गहन जांच होनी चाहिए।

गंगा एक्सप्रेस–वे पर पलटी डबल डेकर बस, सिद्धार्थनगर के 50 यात्री घायल

12 की हालत गंभीर, हायर सेंटर रेफर(दिल्ली–नोएडा जा रही थी बस

दैनिक बुद्ध का संदेश

हरदोई/सिद्धार्थनगर।गंगा एक्सप्रेस–वे पर रविवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। सिद्धार्थनगर से दिल्ली और नोएडा जा रही एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब 50 यात्री घायल हो गए, जबकि 12 यात्रियों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है।यह दुर्घटना रविवार सुबह करीब 3 बजे हरदोई जिले के पचदेवरा थाना क्षेत्र के सपाभापुर गांव के पास हुई। बस में विभिन्न कार्यों से दिल्ली और नोएडा जा रहे लोग तथा कुछ छात्र सवार थे।प्रत्यक्षदर्शियों और

यात्रियों के अनुसार, सपाभापुर गांव के पास बस के सामने अचानक एक वाहन आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे बस अनियंत्रित होकर गंगा एक्सप्रेस–वे से करीब 10 फीट नीचे खेत में पलट गई।हादसे के बाद बस में चीख–पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल घटनास्थल पर पहुंचा तथा स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से शाहजहांपुर के जलालाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा गया। सीएचसी प्रभारी डॉ. दिनेश सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही अस्पताल का पूरा स्टाफ अलर्ट कर दिया गया था और सभी घायलों का तत्काल उपचार शुरू किया गया।अस्पताल में 42 घायलों का उपचार किया गया। इनमें से 12 यात्रियों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जबकि मामूली रूप से घायल कुछ यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में बस के सामने अचानक वाहन आने के कारण चालक द्वारा लगाए गए आपातकालीन ब्रेक को हादसे की वजह माना जा रहा है।

कोमरवा के प्राथमिक विद्यालय का बाउंड्रीवाल नहीं: बच्चों की सुरक्षा और भूमि पर अतिक्रमण का खतरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। सिद्धार्थनगर के खेसरहा विकास क्षेत्र की ग्राम पंचायत बेलवनवा के राजस्व गांव कोमरवा स्थित प्राथमिक विद्यालय में बाउंड्रीवाल नहीं है। इससे बच्चों की सुरक्षा और विद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण का खतरा बना हुआ है।स्थानीय लोगों के अनुसार, विद्यालय के चारों ओर किसानों के खेत हैं। बाउंड्रीवाल न होने के कारण कुछ किसान धीरे–धीरे विद्यालय की भूमि पर खेती कर रहेहैं, जिससे सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की आशंका बढ़ गई है। इसके अलावा, विद्यालय बंद रहने के दौरान असामाजिक तत्व परिसर में प्रवेश कर संपत्ति को नुकसान

पहुंचाते हैं।अभिभावकों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। सुरेंद्र नामक अभिभावक ने कहा कि बाउंड्रीवाल न होने से बच्चों की सुरक्षा हमेशा चिंता का विषय बनी रहती है। विनय ने सरकारी भूमि को सुरक्षित रखने के लिए जल्द बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग की, जबकि माया देवी ने खुले परिसर में बाहरी लोगों की आवाजाही से बच्चों की सुरक्षा प्रभावित होने की बात कही। मंजू ने बाउंड्रीवाल से बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलने की उम्मीद जताई। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मनीषा ने बताया कि बाउंड्रीवाल के अभाव में विद्यालय की सुरक्षा बनाए रखना कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्व परिसर में प्रवेश कर नुकसान पहुंचाते हैं और विद्यालय की भूमि की सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया है।खंड विकास अधिकारी विजय सिंह ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित विभाग से जांच कराकर शासन की उपलब्ध व्यवस्था और बजट के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।ग्रामीणों और अभिभावकों ने शासन एवं प्रशासन से मांग की है कि कोमरवा स्थित प्राथमिक विद्यालय में शीघ्र बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और विद्यालय की सरकारी भूमि को अतिक्रमण से बचाया जा सके।

पूरवापार के प्राथमिक विद्यालय तक जाने का नहीं रास्ताः छात्रों और शिक्षकों को आवागमन में हो रही परेशानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। सिद्धार्थनगर के खेसरहा क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत गैडाखोर के राजस्व गांव पूरवापार में प्राथमिक विद्यालय तक पहुंचने के लिए आज तक कोई सुरक्षित मार्ग नहीं बन सका है। विद्यालय आने–जाने वाले छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और अधिकारियों को खेतों के किनारे बने कच्चे रास्ते से गुजरना पड़ता है।

बरसात के मौसम में यह रास्ता कीचड़युक्त हो जाता है, जिससे आवागमन काफी कठिन हो जाता है।ग्रामीणों का कहना है कि पक्के संपर्क मार्ग के अभाव में छोटे बच्चों को प्रतिदिन जोखिम उठाकर विद्यालय जाना पड़ता है। अभिभावकों ने कई बार मार्ग निर्माण की मांग की है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।अभिभावक राम जगत ने बताया, ष्बच्चों को रोज खेतों के रास्ते विद्यालय जाना पड़ता है। बरसात में रास्ता फिसलन भरा हो जाता है, जिससे दुर्घटना का डर बना रहता है। एक अन्य अभिभावक दर्शन ने कहा कि पक्का रास्ता न होने से बच्चों के साथ शिक्षकों और अधिकारियों को भी परेशानी होती है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक कमलेश गुप्ता ने पुष्टि की कि सुरक्षित मार्ग न होने के कारण छात्र–छात्राओं के साथ–साथ शिक्षकों, कर्मचारियों और विभागीय अधिकारियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस समस्या से संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है और शीघ्र समाधान की अपेक्षा है।वहीं, ग्राम प्रधान अंकित चौहान के प्रतिनिधि घनश्याम चौहान ने कहा कि विद्यालय तक संपर्क मार्ग निर्माण की आवश्यकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस संबंध में संबंधित विभाग के समक्ष प्रस्ताव रखा जाएगा, ताकि बच्चों और विद्यालय परिवार को सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प–सांसद जगदंबिका पाल

वन महोत्सव–2026: सनई में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हुआ बृहद वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु के सनई में वन महोत्सव–2026 के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत शनिवार को बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आम भंडारा एवं आम बहार कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोगों को अपने घरों में रोपण के लिए आम के पौधे वितरित किए गए तथा प्रत्येक परिवार को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल रहे, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, वन विभाग के अधिकारियों, भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।मुख्य अतिथि सांसद

जगदंबिका पाल ने कहा कि एक पेड़ माँ के नामष अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ स्वच्छ वायु, जल और स्वस्थ जीवन का आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण आज जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल का दायित्व निभाने की अपील की।सांसद ने कहा कि 1 से 7 जुलाई तक चल रहे वृक्षारोपण अभियान में सभी लोगों को बढ़–चढ़कर भाग लेना चाहिए। यदि मानसून का संतुलन बनाए रखना है, ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों को कम करना है और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण व पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध करानी है, तो वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि प्र.ति संरक्षण का यह अभियान सभी उत्सवों से बढ़कर है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्र.ति के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता से पर्यावरण संरक्षण अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने और अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण एवं पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हरित एवं समृद्ध भारत का निर्माण जनसहभागिता से ही संभव है।इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी नीला एम., एसडीओ मीना तिवारी, जिला महामंत्री फतेह बहादुर सिंह, रामनारायण, राजेंद्र पांडेय, रणजीत सिंह, रमेश मणि, अनुराग श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष राजेश दुबे, आशीष दुबे, कुंवर विक्रम सिंह सहित वन विभाग के अधिकारी–कर्मचारी, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

चेतिया व निहलवा ग्राम पंचायत में डिप्टी डायरेक्टर व जिला पंचायत राज अधिकारी ने किया निरीक्षण

आरआरसी, प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन यूनिट और अंत्येष्टि स्थल की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत चेतिया एवं निहलवा में स्वच्छता एवं विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए आजमगढ़ मंडल के उप निदेशक पंचायतीराज तथा जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) सिद्धार्थनगर ने संयुक्त निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दोनों ग्राम पंचायतों में संचालित संसाधन पुनर्प्राप्ति केंद्र (आरआरसी) तथा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का गहन निरीक्षण किया। साथ ही ग्राम पंचायत निहलवा स्थित अंत्येष्टि स्थल का भी अवलोकन कर वहां की साफ–सफाई, रखरखाव एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।उप निदेशक पंचायतीराज ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने प्लास्टिक कचरे का शत–प्रतिशत वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करने तथा गांवों में स्वच्छता व्यवस्था को सु.ढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही अंत्येष्टि स्थलों को भी स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखने पर विशेष बल दिया।जिला पंचायत राज अधिकारी ने ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सचिवों को निर्देशित किया कि गांवों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य न मिलने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण के दौरान सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अजय राज, पंचायत सचिव अभिनवा शुक्ला, ग्राम प्रधान, प्रधान प्रतिनिधि मुन्शफी, राजकुमार, पंचायत कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

डबल इंजन की सरकार में हुआ देश और प्रदेश का सर्वांगीण विकास– फूलचंद जायसवाल

भाजपा शोहरतगढ़ मंडल की मासिक बैठक संपन्न, संगठन सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं पर हुआ मंथन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। रविवार को भारतीय जनता पार्टी शोहरतगढ़ मंडल की महत्वपूर्ण मासिक बैठक नगर पंचायत शोहरतगढ़ कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला महामंत्री एवं मंडल प्रभारी फूलचंद जायसवाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला कार्यालय सह–प्रभारी महेंद्र लोधी उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि फूलचंद जायसवाल ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार

के नेतृत्व में देश और प्रदेश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में निहित है, इसलिए प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाना कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं अभियानों को पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में केंद्र सरकार के ष्12 साल बेमिसालष् अभियान, डिजिटल पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने लर्निंग, ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान तथा प्रधानमंत्री के ष्मन की बातष् कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से जन–जन तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा स्थानीय जनसमस्याओं के समाधान के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री अभिषेक चौधरी ने किया।बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता .ष्ण पाल चौधरी, रविंद्र वर्मा, रवि अग्रवाल, मंडल महामंत्री रामकुमार त्रिपाठी, पंकज गौड़, राममगन यादव, रामविनोद यादव, राधेश्याम मिश्रा, सुधाकर गिरी, संजय मिश्रा, मनोज तिवारी, आशीष गुप्ता, कैलाशनाथ मिश्रा, लवकुश चौधरी, गौरव शर्मा, अरविंद चौधरी, नरेंद्र पांडेय, रामकुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

औरतों की आबरू, अस्मत लूटी है? पाकिस्तान में कौन लोग हैं, जो आपसी रिश्ते बेहतर चाहते हैं? अवाम को तो आटा, दाल, चावल, चीनी, फल–सब्जी भी मयस्सर नहीं है। क्या ऐसे अवाम को भयानक, कुरूप यथार्थों की पूरी जानकारी है? पाकिस्तान पहले बलूचिस्तान, खैबर, कथित आजाद कश्मीर में तो हालात शांत करे। वहां नापाक फौज अवाम को सरेआम गोलियों से भून रही है...

भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत क्यों करे?

भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत क्यों करे? राजनयिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, पेशेवर रिश्ते क्यों बहाल करें? एक आतंकिस्तान देश को सबक सिखाना चाहिए अथवा संवाद के जरिए मुहब्बत का इजहार करना चाहिए? जो 117 चेहरे आज पाकिस्तान की पैरवी कर रहे हैं, क्या वे भूल गए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है? क्या वे पहलगाम का नरसंहार भूल गए? क्या पुलवामा में 40 'शहीदों' की कुर्बानी भूल गए? क्या उरी से लेकर 26ध्11 मुंबई आतंकी हमले तक पाकपरस्त शैतानों और हत्यारों की साजिशें भी भूल गए? क्या इन पैरोकारों ने आतंकवाद में अपने किसी परिजन को खोया है? यह पीड़ा, हत्या, दर्द, खालीपन, सूने आंगन, उजड़े सिंदूर को कैसे और कौन भूल सकता है? आखिर भारत की मजबूरी क्या है, जो वह पाकिस्तान की आतंकी, हत्यारी हुकूमत के साथ बातचीत करे? इस भूखे, नंगे, कर्जदार देश के पल्ले क्या है, जो वह भारत को मुहैया करा सकता है? और फिर क्या गारंटी है कि संवाद और संबंधों की बहाली के बाद सरहदों पर तनाव ठहर जाएगा? सीमापार से आतंकी भेजे नहीं जाएंगे? वैश्विक मंचों पर, कश्मीर की आड़ में, भारत–विरोधी दुष्प्रचार थम जाएंगे? सांप की फितरत बदली है कभी? जिन 117 लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी और कथित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिख कर भारत–पाक संवाद और बेहतर, कारगर संबंधों की गुहार की है, उनमें जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर और सैफुद्दीन सोज भी शामिल हैं। मणिशंकर ने सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान जाकर गुहार की थी कि मोदी सरकार हटाने में मदद करें। यह नवंबर, 2015 का वाकया है। दोनों कथित कांग्रेस नेताओं का कहना था कि मोदी को हटाए बिना भारत–पाक संबंध बेहतर नहीं हो सकते। अब पैरोकारों की सूची में शामिल हैं, तो वह बिल्कुल बेमानी है। खुफिया एजेंसी रॉ के प्रमुख रहे एएस दुल्लत भी सूची में हैं, जो पाकिस्तान की रूह तक से वाकिफ हैं और कई आतंकी हमलों के साक्षी रहे हैं। ओपी शाह, मनोज झा, जवाहर सरकार आदि कितने बड़े कूटनीतिज्ञ हैं, यह हम नहीं जानते, लेकिन सूची में जो 61 नाम भारतीयों के हैं, वे यकीनन प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर विरोधी हैं और पाकपरस्त चेहरे हैं। आज उन्हें कौन पूछता है? क्या प्रासंगिकता है इनकी? क्या इनमें से किसी ने भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि आतंकी सांपों को पालना बंद करें? उनके अड्डे खत्म किए जाएं। हुकूमत और फौज आतंकियों की आर्थिक मदद करना और उन्हें 'जेहादी समर्थन' देना भी बंद करें। दरअसल आतंकवाद का जिक्र जब भी होता है, तो ये पैरोकार हकलाने लगते हैं या गाली की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। अरे, पाकिस्तान के मंत्री धमकी दे रहे हैं कि हमने 130 परमाणु हथियार भारत के लिए रखे हैं। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो आजकल 'एटमी युद्ध' की धमकी दे रहे हैं। एक नापाक मंत्री ने यहां तक कह दिया कि पानी को हाथ लगाया, तो हाथ तोड़ देंगे। पाकिस्तान के कथित उपप्रधानमंत्री इशाक डार सिंधु नदी का पानी रोकना युद्ध की कार्रवाई मानते हैं। क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' के हमले भूल गया है पाकिस्तान, जिनमें उसके 11 एयरबेस को मिट्टी–मलबा कर दिया गया था? बहरहाल ऐसे आतंकी, धमकीबाज मंत्रियों की हुकूमत से भारत बात करेगा! क्यों करेगा? क्या ये 117 'रिटायर्ड चेहरे' भूल गए हैं कि पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों ने हमारे 40,000 से अधिक बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हैं? मठ–मंदिर ध्वस्त किए हैं? औरतों की आबरू, अस्मत लूटी है? पाकिस्तान में कौन लोग हैं, जो आपसी रिश्ते बेहतर चाहते हैं? अवाम को तो आटा, दाल, चावल, चीनी, फल–सब्जी भी मयस्सर नहीं है। क्या ऐसे अवाम को भयानक, कुरूप यथार्थों की पूरी जानकारी है? पाकिस्तान पहले बलूचिस्तान, खैबर, कथित आजाद कश्मीर में तो हालात शांत करे। वहां नापाक फौज अवाम को सरेआम गोलियों से भून रही है। अवाम विद्रोह पर है और सडकों पर आंदोलित है। जिसका अपना घर विभाजित है, टुकड़े–टुकड़े है, उससे भारत क्या बात करेगा और उससे क्या हासिल होगा? पैरोकारों को एक–दूसरे के फॉर्म हाउस में पार्टी करनी है और बिरयानी का लुत्फ उठाना है, तो वे स्वतंत्र हैं। भारत किसी आतंकिस्तान के साथ बातचीत नहीं करेगा।

चंद्रबदनी देवी मंदिर

उत्तराखंड को यूं ही देवभूमि नहीं कहा जाता। यहां के पहाड़, नदियां और मंदिर सदियों पुरानी आस्था और रहस्यों को अपने भीतर समेटे हुए हैं। इन्हीं पवित्र स्थलों में एक नाम है चंद्रबदनी देवी मंदिर का। टिहरी गढ़वाल जिले में स्थित यह मंदिर न सिर्फ श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि अपनी अनोखी परंपराओं के कारण भी लोगों को आकर्षित करता है। मान्यता है कि इस मंदिर में मां की पूजा बंद आंखों से की जाती है। यही वजह है कि चंद्रबदनी धाम को उत्तराखंड के सबसे रहस्यमयी शक्तिपीठों में गिना जाता है।

कहां स्थित है चंद्रबदनी मंदिर– चंद्रबदनी देवी मंदिर उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में देवप्रयाग के निकट चंद्रकूट पर्वत पर स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से लगभग 2,277 मीटर की ऊंचाई पर बना हुआ है। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को पहाड़ी मार्ग से होकर गुजरना पड़ता है। यहां से हिमालय की कई पर्वत श्रृंखलाओं के मनमोहक दृश्य दिखाई देते हैं, जो इस स्थान की आध्यात्मिक आभा को और बढ़ा देते हैं।

शक्तिपीठ से जुड़ी मान्यता–पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब राजा दक्ष के यज्ञ में अपमानित होने के बाद माता सती ने योगाग्नि में अपने प्राण त्याग दिए, तब भगवान शिव उनके पार्थिव शरीर को लेकर ब्रह्मांड में विचरण करने लगे। शिव के क्रोध को शांत करने के लिए भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर के कई भाग किए। जहां–जहां माता के अंग गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हुए। मान्यता है कि चंद्रबदनी मंदिर उसी स्थान पर स्थित है, जहां माता सती का धड़ (वक्षस्थल) गिरा था।

बंद आंखों से क्यों की जाती है पूजा– चंद्रबदनी मंदिर की सबसे विशेष और चर्चित परंपरा यहां की पूजा पद्धति है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, मंदिर के गर्भगृह में स्थापित देवी शक्ति की आराधना करते समय पुजारी अपनी आंखें बंद रखते हैं। माना जाता है कि मां की दिव्य शक्ति के प्रति पूर्ण समर्पण और एकाग्रता के साथ पूजा करने की यह सदियों पुरानी परंपरा है, जिसका आज भी पालन किया जाता है।

यहां नहीं है मां की पारंपरिक प्रतिमा–देश के अधिकांश देवी मंदिरों में जहां मां की प्रतिमा स्थापित होती है, वहीं चंद्रबदनी मंदिर की परंपरा कुछ अलग है। यहां देवी की कोई पारंपरिक मूर्ति नहीं है। मंदिर में स्थापित पवित्र यंत्र और त्रिशूलों को देवी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालु मनोकामना पूर्ण होने पर यहां त्रिशूल अर्पित भी करते हैं।

नवरात्रि में उमड़ती है भक्तों की भीड़– चैत्र और शारदीय नवरात्रि के दौरान चंद्रबदनी धाम में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, नवरात्रि में यहां का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो जाता है और पूरा क्षेत्र जयकारों से गूंज उठता है।

कागज दिखाना मौजूदा दौर की सबसे बड़ी त्रासदी!

अगर उनका पासपोर्ट समय पर नवीन□त होता तो वे 17 अप्रैल को सैन फ्रांसिस्को में अपनी बेटी की शादी में शामिल हो सकते थे। उनके पास अमेरिका का वैध 10 वर्षीय वीजा था, लेकिन सक्रिय पासपोर्ट न होने के कारण विदेश यात्रा संभव नहीं हो सकी। राजगोपाल ने लिखा कि अब उनकी सुबह वोटिंग अधिकार से जुड़ी अपील और पासपोर्ट आवेदन की स्थिति देखने से शुरू होती है। उन्होंने लिखा, शर्मे यह मुद्दा अपने ...

भाजपा के शासन में कागज की अहमियत इंसान से ज्यादा हो चुकी है। कागज तो दिखाना होगा, मौजूदा दौर का सबसे त्रासद वाक्य है, जिससे लाखों–करोड़ों नागरिक जूझ रहे हैं। खबर आई है कि मंगलवार को हुई केबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिए हैं कि आम लोगों की सुविधा का ख्याल रखा जाए। लेकिन यह कैसा ख्याल रखना है जिसमें कदम–कदम पर आम जनता को यही साबित करना पड़े कि वह इस देश का नागरिक है। राशन कार्ड, आधार, पैन कार्ड, दसवीं का प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट ये सारे कार्ड किसी व्यक्ति के पास होने के बावजूद यह तय नहीं है कि वह भारत का नागरिक है या नहीं। पासपोर्ट पर तो हाल ही में विदेश मंत्रालय का बयान आया ही था कि यह केवल यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, जबकि दूसरे देश जाने पर आपको किस देश का नागरिक माना जाए, यह आपके पासपोर्ट से ही तय होगा। पासपोर्ट पर एक अनावश्यक विवाद मोदी सरकार ने खड़ा किया और हाल ही में उसी से जुड़ा एक अजीबोगरीब प्रकरण सामने आया है। कोलकाता से निकलने वाले प्रमुख अंग्रेजी दैनिक द टेलीग्राफ के पूर्व संपादक आर. राजगोपाल का पासपोर्ट नवीनीकृत नहीं हुआ, क्योंकि एसआईआर में उनका नाम लाखों अन्य लोगों की तरह काटा गया है। आर. राजगोपाल ने सोशल मीडिया पर अपने साथ घटे इस त्रासद वाकये को बयां किया है कि मार्च 2026 में कोलकाता के बालीगंज विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया गया। उनके अनुसार,

एसआईआर के दौरान अधिकारियों को न तो उनका और न ही उनके दिवंगत पिता का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में मिला। इसी आधार पर उनका नाम सूची से हटा दिया गया। राजगोपाल ने लिखा कि उनके पिता एक गांधीवादी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर और केरल में गांधी स्मारक निधि के पूर्व राज्य सचिव थे, जिनका 2016 में निधन हो चुका है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने सजग मतदाता रहे उनके पिता का नाम मतदाता सूची में कैसे नहीं मिला। राजगोपाल का कहना है कि पश्चिम बंगाल में लगभग 27 लाख लोगों के नाम तथाकथित श्लॉजिकल डिस्क्रेपेंसीश के आधार पर मतदाता सूची से हटाए गए। उन्होंने मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र समेत अन्य दस्तावेज जमा किए, लेकिन उन्हें कोई साफ कारण नहीं बताया गया। राजगोपाल समेत हजारों लोगों का मामला अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित एक ट्रिब्यूनल के सामने लंबित है। इसी वजह से वे हाल में हुए चुनाव में मतदान भी नहीं कर सके। राजगोपाल ने बताया कि उन्होंने 19 मार्च 2026 को पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी कर ली थी, लेकिन पुलिस सत्यापन नहीं हो सका क्योंकि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं था। उन्होंने कई वैकल्पिक दस्तावेज जमा किए, लेकिन उन्हें पर्याप्त नहीं माना गया। 27 जून को उनके बायोमेट्रिक हुए 100 दिन पूरे हो गए। पिछले सप्ताह उन्हें पासपोर्ट कार्यालय से बताया गया कि कोलकाता पुलिस ने मतदाता सूची से नाम हटने के आधार पर प्रतिकूल रिपोर्ट भेजी है। हालांकि उन्हें क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में तत्काल उपस्थित होने को कहा गया, लेकिन ऑनलाइन अपॉइंटमेंट 17 जुलाई 2026 की मिली। कितनी हैरानी की बात है कि एक प्रतिष्ठित अखबार के संपादक का पासपोर्ट नवीनीकरण अब तक इसलिए नहीं हो पाया, क्योंकि मतदाता सूची में उनका नाम नहीं था और पुलिस ने इसे ही आधार माना। जबकि केंद्र और राज्य सरकारें पत्रकारों व संपादकों को अधिमान्यता भी देती हैं। इसमें भी उनके तमाम दस्तावेज जांचे–परखे जाते हैं। फिलहाल यह ज्ञात नहीं है कि राजगोपाल के पास इस समय राज्य अधिमान्यता कार्ड या पत्र सूचना कार्यालय की तरफ से जारी कार्ड है या नहीं, लेकिन जब उनके जैसे प्रतिष्ठित संपादक को कागज दिखाने के नाम पर मानसिक संताप से गुजरना पड़ा है, तो आम लोगों की बिसात ही क्या है। खुद राजगोपाल ने यह लिखा है कि वे खुद को पीड़ित की तरह नहीं दिखाना चाहते, लेकिन इतने वर्षों की पत्रकारिता और अखबार का संपादन करने के बाद उन्हें अपनी पहचान साबित करने के लिए इतना संघर्ष करना पड़ रहा है, तो समाज के सबसे कमजोर और हाशिए के लोगों की स्थिति कितनी मुश्किल होगी। यह तथ्य किससे छिपा है कि आम लोगों के जीवन में रोजी–रोटी कमाने से लेकर शिक्षा, इलाज जैसी मूलभूत सुविधाओं को हासिल करने में सौ झंझटें हैं, इनसे निपटने में ही तीन चौथाई जीवन गुजर जाता है। इसके बाद बार–बार अपने को नागरिक साबित करने के लिए साक्ष्य जुटाने पड़ें तो थक–हार कर व्यक्ति यह कोशिश भी छोड़ देता है। इसी वजह से लाखों काबिल वोटर बिहार में वोट नहीं डाल पाए और फिर बंगाल में यही खेल हुआ। इसके बाद प्रधानमंत्री आम आदमी की सुविधा और इज ऑफ डूइंग जैसे जुमले कहें तो वह जले पर नमक छिड़कने जैसा लगता है। सरकार के ऐसे फैसलों से देश में कितना बड़ा नागरिक संकट खड़ा हो चुका है, इसकी बड़ी मिसाल राजगोपाल प्रकरण में देखी जा सकती है।

एचडीएफसी के नए चेयरमैन पर सवाल

{ जांच रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि समीक्षा किए गए समकालीन सबूत इस्तीफे के पत्र में किए गए बयानों से मेल नहीं खाते थे और कानूनी समीक्षा ने उन बयानों का समर्थन करने वाला कोई आधार नहीं पाया। बैंक ने यह भी नोट किया कि बार–बार अनुरोधों के बावजूद, श्री चक्रवर्ती ने जांच के दौरान साक्षात्कार में भाग नहीं लिया। जबकि यह प्रक्रिया का एक हिस्सा था। तो कुल मिलाकर ... }

देश के प्रमुख निजी बैंक एचडीएफसी ने भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को बैंक का नया स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 30 जून 2026 से प्रभावी हो गई है। वह अगले चार वर्षों तक इस पद पर रहेंगे। इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी मिलने के बाद वह तीन साल की अवधि के लिए बैंक के अंशकालिक चेयरमैन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। कोई बैंक किसी पूर्व अधिकारी को निदेशक बनाए, तो इसमें कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है। लेकिन आश्चर्य इस बात का है कि प्रमुख चुनाव आयुक्त जैसे पद को संभालने के बाद एक निजी बैंक का निदेशक राजीव कुमार बने हैं। ध्यान रहे कि उनके मुख्य चुनाव आयुक्त रहते चुनावों में बड़ी धांधलियों के आरोप बार–बार लगे और चुनाव आयोग जैसी संस्था पर सवाल उठने शुरु हुए, जो मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तक जारी ही हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के वक्त राजीव कुमार ही चुनाव आयोग के प्रमुख थे, और तब विपक्ष ने आरोप लगाए थे कि प्रधानमंत्री मोदी के सांप्रदायिक भाषणों पर आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। विपक्ष का कहना था कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या अन्य बड़े भाजपा नेताओं ने चुनावों के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ या सांप्रदायिक बयान दिए, तो चुनाव आयोग ने उन पर कोई सीधी कार्रवाई नहीं की। आयोग ने प्रधानमंत्री को व्यक्तिगत नोटिस भेजने के बजाय भाजपा अध्यक्ष (जेपी नड्डा) को नोटिस थमा दिया, जिसे विपक्ष ने नियमों का मजाक उड़ाना कहा। जबकि विपक्षी नेताओं की छोटी गलतियों पर भी तुरंत और सख्त कार्रवाई की गई। इसके अलावा भी वोट चोरी, ईवीएम की गड़बड़ी, वोटर डेटा आदि की गड़बड़ियों के सवाल विपक्ष उठाता रहा। लेकिन राजीव कुमार का रवैया ऐसा था कि वे प्रेस कांफ्रेंस में खुलकर सवाल उठाने वालों को ही कटघरे में खड़ा कर देते थे, या फिर स्तरहीन शायरी सुनाकर जवाब देते थे।

राजीव कुमार का कहना था कि जो लोग चुनावी नतीजों को स्वीकार नहीं करना चाहते, वे अक्सर चुनाव आयोग को श्वलि का बकराश बनाते हैं। उन्होंने ईवीएम में गड़बड़ी और मतदाता सूची से छेड़छाड़ जैसे आरोपों को भी पूरी तरह निराधार बताया था। मुख्य चुनाव आयुक्त पद से सेवानिवृत्त होने के बाद राजीव कुमार करीब साल भर सुर्खियों से दूर ही रहे। यदा–कदा उनकी सुबह की सैर की तस्वीरें ही सामने आईं, अन्यथा वे कहां हैं, क्या कर रहे हैं, देश में चुनाव आयोग से जुड़े एसआईआर जैसे कई गंभीर मसले उठे, तब भी उनकी कोई टीका–टिप्पणी नहीं सुनी गई। जबकि एस वाय कुरैशी या अशोक लवासा जैसे पूर्व चुनाव आयुक्तों के आलेख या बयान समसामयिक विषयों पर आते ही रहते हैं। इसलिए जब राजीव कुमार को एचडीएफसी का नया चेयरमैन बनाने की खबर सामने आई, तो सभी को आश्चर्य हुआ। राजीव कुमार का पिछला कार्यप्रभार जितना विवादों में रहा, वैसे ही विवाद एचडीएफसी से भी जुड़े हैं।

इसी साल मार्च में बैंक के चेयरमैन पद से अतानु चक्रवर्ती ने इस्तीफा दे दिया था। 17 मार्च 2026 की रात को, पूर्व आईएएस अधिकारी, आर्थिक मामलों के विभाग के पूर्व सचिव और एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक अध्यक्ष अतानु चक्रवर्ती ने तीन वाक्य लिखे जिसने वित्तीय जगत को चौंका दिया था। श्री चक्रवर्ती ने लिखा कि श्पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और प्रथाएं देखी हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे उपरोक्त निर्णय का आधार है। मैं पुष्टि करता हूं कि मेरे इस्तीफे के लिए ऊपर बताए गए कारणों के अलावा कोई अन्य ठोस कारण नहीं हैं।श अतानु चक्रवर्ती ने इससे ज्यादा कुछ नहीं कहा। कोई विशिष्ट विवरण नहीं दिया। किसी घटना का नाम नहीं लिया। कोई स्पष्ट आरोप नहीं लगाया। बस तीन वाक्य लिखकर अपना इस्तीफा दे दिया। जिसके बाद शेयर बाजार में भी उथल–पुथल रही। क्योंकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड बाजार पूंजीकरण के आधार पर भारत का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक है। खुदरा बैंकिंग, थोक बैंकिंग, ट्रेजरी ऑपरेशन्स, डिजिटल बैंकिंग और वेल्थ मैनेजमेंट सहित बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला एचडीएफसी उपलब्धा कराता है, भारत और विदेशों में लाखों ग्राहकों इससे जुड़े हैं। जब इसके चेयरमैन ही यह कहें कि कुछ ऐसा हो रहा है जो नैतिकता के हिसाब से सही नहीं है, तो जाहिर है निवेशकों और ग्राहकों का भरोसा टूटेगा ही। बता दें कि एचडीएफसी पर कुछ महीने पहले आरोप लगा था कि इसने महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को करीब रुपए 45 करोड़ की राशि का ब्याज भुगतान किया लेकिन इसे श्मार्केटिंग खर्चश्य (रोड सेफ्टी कैंपेन) के रूप में गलत तरीके से दिखाया गया है। आरोप था कि एमएसआरडीसी को दी जाने वाली अतिरिक्त ब्याज दर को नियम–कायदों के चलते श्रोड सेफ्टी कैंपेन्यय या मार्केटिंग खर्च के रूप में दर्शाया गया। हालांकि इस आरोप के बाद बाहरी लॉ फर्मों ने तीन महीने की स्वतंत्र जांच की और अब बैंक को इन आरोपों से क्लीन चिट मिल गई है। यह जांच विल्सन सोंसिनी गुडरिच एंड रोसाटी और वाडिया गांधी एंड कंपनी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई। लगभग तीन महीने की अवधि में, दोनों फर्मों ने हजारों दस्तावेज, बोर्ड और समिति की बैठक के रिकॉर्ड, एजेंडा पेपर और अन्य प्रासंगिक सामग्रियों की समीक्षा की, साथ ही स्वतंत्र निदेशकों, समिति के अध्यक्षों, प्रबंध निदेशक और सीईओ और वरिष्ठ प्रबंधन टीम के सदस्यों के साथ साक्षात्कार भी किए। जांच के बाद कहा गया कि अतानु चक्रवर्ती के बयान का समर्थन करने वाला कोई सबूत नहीं मिला है।

भारत की गोलडन गर्ल पीवी सिंधु हुईं 30 की, जानें कैसे बनीं शटलर

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु आज यानी की 05 जुलाई को अपना 30वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने खुद को अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल किया है। वह भारत की सबसे प्रमुख बैडमिंटन स्टार हैं। उन्होंने करीब–करीब हर बड़े कॉम्पिटीशन में भारत के लिए मेडल जीते हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर पीवी सिंधु के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

हैदराबाद में 05 जुलाई 1995 को पीवी सिंधु का जन्म हुआ था। बैटमिंटन की दुनिया में धमाल मचाने वाली पीवी सिंधु बचपन से ही काफी ज्यादा मेहनती थीं। सिंधु की पिता का नाम पीवी रमन्ना और मां पी विजय है। पीवी सिंधु के माता–पिता वॉलीबॉल खिलाड़ी रह चुके हैं।

करियर

साल 2013 में पीवी सिंधु ने ग्वांग्झू चीन में आयोजित विश्व बैडमिंटन चौंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। साल 2013 में कांस्य पदक जीतने वाली वह भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनीं। इसके बाद साल 2014 में फिर उन्होंने कोपेनहागेन में अपनी सफलता को दोहराया। वहीं साल 2017 में पीवी सिंधु ने वर्ल्ड चौंपियशिप में सिल्वर मेडल जीता।

नंबर 1 शटलर

बता दें कि वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग में पीवी सिंधु नंबर 1 स्थान पर रहीं। साल 2018 में उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड साल 2018 में सिल्वर और साल 2014 में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके अलावा उन्होंने उबेर कप में 2 बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

ओलंपिक मेडल जीता

कमाल का प्रदर्शन करते हुए पीवी सिंधु ने रियो ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन वह खिताबी मुकाबले में हार गईं। हालांकि सिंधु ने सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच किया और इस खेल में देश को पहला सिल्वर मेडल दिया। पीवी सिंधु ओलंपिक में सिल्वर जीतने वाली पहली महिला बनीं।

सम्मानः पीवी सिंधु को कई प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। साल 2013 में उनको राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड, साल 2016 में पद्मश्री, अर्जुन अवॉर्ड और ज्दै। अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है।

प्रज्ञानानंदा की लय बिगड़ी, ब्लिट्ज में अलीरेजा फिरोजा ने बनाई बड़ी बढ़त

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में शनिवार को यहां रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती नौ दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए। इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है। अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारूप में कमाल का खेल दिखाया और नौ में से आठ अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है। प्रज्ञानानंदा 15.5 अंक के

साथ चौथे स्थान पर खिसक गए जबकि विश्व चौंपियन डी गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं। रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानानंदा ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानानंदा ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानानंदा से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चौंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है। अगर प्रज्ञानानंदा दो लाख डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के आखिरी दिन लय वापस पा लेते हैं तो उनके पास अब भी पोडियम पर जगह बनाने का मौका होगा।

अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस पर पुतिन ने ट्रंप को किया फोन, दिया रूस आने का न्योता

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन करके बधाई दी। रूस के सरकारी महल क्रेमलिन के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच फोन पर लगभग 90 मिनट तक बातचीत हुई। इस बातचीत के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप को रूस आने का न्योता भी दिया। हालांकि, ट्रंप की इस रूस यात्रा की तारीख या एजेंडे को लेकर अभी कोई पक्की जानकारी नहीं दी गई है।

युद्ध खत्म करने पर हुई चर्चाः इस बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन से कहा कि अमेरिका जल्द से जल्द युद्ध को खत्म करने और संकट का हल निकालने के लिए तैयार है। रूस के अधिकारियों ने इस

बातचीत को काफी काम का और सकारात्मक बताया है।

रूस का कहना है कि वह अभी भी बातचीत और कूटनीति के रास्ते से समस्या को सुलझाना चाहता है, लेकिन इसमें उसकी बुनियादी शर्तें शामिल होनी चाहिए। इस बातचीत के साथ ही ट्रंप ने अलग से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी बात की, जिसे जेलेंस्की ने बहुत अच्छी बातचीत बताया।

अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर ट्रंप का संदेश

आजादी के इस खास मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पिछले 250 सालों से अमेरिका पूरी दुनिया के लिए उम्मीद, रोशनी और गर्व का प्रतीक रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि ईश्वर की कृपा से अमेरिका आगे भी ऐसा ही रहेगा।

ट्रंप ने कहा कि 4 जुलाई 1776 से लेकर 4 जुलाई 2026 तक अमेरिका ने दुनिया को दिखाया है कि वह हर मुसीबत को हरा सकता है और अपनी आजादी की रक्षा कर सकता है। उन्होंने दावा किया कि आज का अमेरिका पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा मजबूत, अमीर, सुरक्षित और भरोसे से भरा हुआ है।

फीफा विश्व कप में मोरक्को का ऐतिहासिक प्रदर्शन जारी, मेजबान कनाडा का सपना तोड़कर क्वार्टर फाइनल में मारी एंट्री

अज्जेदीन ऊनाही के दो गोल की बदौलत मोरक्को ने फीफा विश्व कप के अंतिम 16 मुकाबले में शनिवार को कनाडा को 3–0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही मोरक्को एक से अधिक बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। यह लगातार दूसरा विश्व कप है, जिसमें मोरक्को ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। 2022 में भी वह सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनी थी।

पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हुआ। मैच

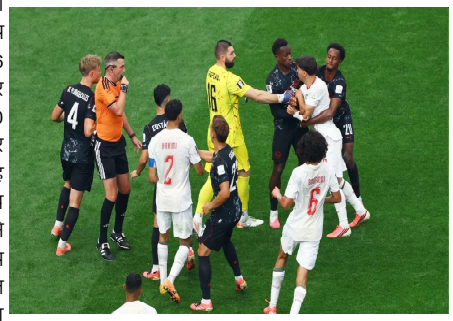

के 50वें मिनट में अचरफ हकीमी के फ्री–किक पास पर अज्जेदीन ऊनाही ने बॉक्स के बाहर से दाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर मोरक्को को 1–0 की बढ़त दिलाई। 82वें मिनट में ब्राहिम डियाज के पास पर ऊनाही ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 2–0 कर दिया। इंजरी टाइम के अंतिम मिनट में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर मोरक्को की 3–0 से जीत पक्की कर दी। अब मोरक्को का मुकाबला क्वार्टर फाइनल में पैराग्वे और फ्रांस के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से बोस्टन स्टेडियम में होगा। इस हार के साथ सह–मेजबान कनाडा का ऐतिहासिक अभियान समाप्त हो गया। कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को 1–0 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण का मुकाबला जीता था और अंतिम 16 में पहुंचा था।

दुनिया का सबसे नीच आदमी जिंदा क्यों ? खामेनेई के अंतिम संस्कार में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ लगे भड़काऊ नारे

ईरान के दिवंगत सबसे बड़े नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान रविवार को राजधानी तेहरान में एक बड़ा विवाद सामने आया। लाखों लोगों की भीड़ के सामने एक मंच संचालक ने खुलेआम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या करने की मांग की। यह पहली बार है जब अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में किसी एंकर या संचालक ने सीधे तौर पर ट्रंप को मारने की बात कही है। इस दौरान कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या की मांग करने वाले पोस्टर और तस्वीरें भी दिखाई दीं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए बातचीत चल रही है।

दुनिया का सबसे नीच आदमी अभी भी जिंदा क्यों है?

शोक सभा के दौरान कवि मोहम्मद रसौली ने लाउडस्पीकर पर भीड़ को संबोधित किया, जिस पर वहां मौजूद लोगों ने अमेरिका के जमकर नारे लगाए। रसौली

मुर्दाबाद और इजरायल मुर्दाबाद ने ट्रंप की तरफ इशारा करते हुए भीड़ से पूछा, ष्दुनिया का सबसे नीच आदमी अभी भी जिंदा क्यों है?ष

इस बात पर वहां मौजूद लाखों लोगों ने तालियां बजाईं। इसके बाद जब रसौली ने कहा कि यह दुनिया अब ट्रंप के रहने के लिए अच्छी जगह नहीं है, तो भीड़ ने फिर से उनका समर्थन किया।

प्रार्थना सभा में शामिल हुए ईरान के बड़े नेता

रविवार को तेहरान की ग्रैंड मोसल्ला मस्जिद में 97 साल के शिया धर्मगुरु अयातुल्ला जाफर सोभानी ने खामेनेई और उनके परिवार के लिए विशेष प्रार्थना करवाई। इस भावुक मौके पर खामेनेई के बेटे मसूद, मेसम और मुस्तफा मौजूद थे। उनके साथ ही ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर कलीबाफ, रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल अहमद वाहिदी और कुद्स बल के चीफ इस्माइल कानी समेत देश के तमाम बड़े नेता वहां मौजूद रहे।

डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी पर ईरान का पलटवार, कहा–यूएस के पास न सभ्यता है, न सम्मान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर ईरान ने रविवार को बहुत कड़ा ऐतराज जताया है, जिसमें ट्रंप ने दावा किया था कि अगर अमेरिका चाहे तो ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में जुटे वहां के पूरे बड़े नेतृत्व को एक ही बार में खत्म कर सकता है। ईरान ने ट्रंप के इस दावे की कड़ी आलोचना की है।

अमेरिका के पास न सभ्यता है, न इतिहास और न सम्मान

आर्मेनिया में मौजूद ईरान के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका को आड़े हाथों लेते हुए एक तीखा जवाब दिया। दूतावास ने कहा कि अमेरिका ने अभी 4 जुलाई को अपनी आजादी की 250वीं वर्षगांठ मनाई है, लेकिन वह खामेनेई की मौत के बाद ईरान में उमड़े दुख के इस सैलाब को कभी नहीं समझ पाएगा। दूतावास के मुताबिक, अमेरिका ऐसा इसलिए नहीं समझ सकता क्योंकि उसके पास न तो कोई सभ्यता है, न इतिहास है और न ही सम्मान।

ईरान ने कहा, विचारों को नहीं मार सकते

ईरानी दूतावास ने अपने बयान में आगे कहा, ष्लोगों को मारा जा सकता है, लेकिन उनके विचारों को नहीं। आपने अयातुल्ला खामेनेई की हत्या की, लेकिन असल में आपने इत्र की एक शीशी को तोड़ दिया है, जिसकी खुशबू अब हर तरफ फैल गई है।ष दूतावास ने यह बात खामेनेई के अंतिम संस्कार में उमड़ी लाखों लोगों की भारी भीड़ की तरफ इशारा करते हुए कही।

ट्रंप ने आंसुओं को बताया था दिखावटी

ईरान की यह तीखी प्रतिक्रिया डोनाल्ड ट्रंप के उस इंटरव्यू के बाद आई है जो उन्होंने समाचार वेबसाइट एक्सियोस को दिया था। उस इंटरव्यू में ट्रंप ने अंतिम संस्कार में शामिल हो रहे हजारों–लाखों ईरानियों को देखकर हैरानी जताई थी। ट्रंप ने कहा था, ष्मुझे लगता था कि लोग खामेनेई से नफरत करते हैं। शायद ये दिखावटी आंसू हैं।ष

बातचीत के लिए अमेरिका नहीं उठा रहा कदम

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इंटरव्यू में यह भी दावा किया था कि अगर वाशिंगटन चाहे, तो वह ईरान के बचे हुए सभी बड़े अधिकारियों को एक ही बार में खत्म करने की ताकत रखता है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि अमेरिका ऐसा कदम उठाने से खुद को रोक रहा है क्योंकि वह तेहरान के साथ बातचीत का रास्ता खुला रखना चाहता है। ट्रंप ने कहा था, ष्ये सब वहां मौजूद हैं। एक शॉट, और हम उन सभी को खत्म कर सकते हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं करने जा रहे हैं क्योंकि तब हमारे पास बातचीत करने के लिए कोई नहीं बचेगा।ष

सपा ने लक्खीशाह बंजारा की जयंती मनाई

जौनपुर। समाजवादी पार्टी ने बाबा लक्खीशाह बंजारा की जयंती मनाई। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके सामाजिक समरसता, राष्ट्रसेवा और त्यागपूर्ण जीवन को याद किया। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि बाबा लक्खीशाह बंजारा का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और मानवता की सेवा का प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनके आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने और वंचित, पिछड़े व शोषित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के बाद पार्टी की मासिक बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रम और जनता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आगामी संगठनात्मक रणनीति पर भी विचार–विमर्श हुआ।बैठक में जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और पीडीए की विचारधारा को घर–घर पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने 1 से 7 जुलाई तक राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पीडीए वृक्षारोपण अभियान को भव्य रूप से आयोजित करने के निर्देश भी दिए। पूर्व विधायक राजनारायण बिंद, लालबहादुर यादव, मोहम्मद अरशद खान सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएम मोदी का इंडोनेशिया दौरा : रक्षा, व्यापार से लेकर स्पेस तक, कई अहम क्मंसे पर लग सकती है मुहर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जुलाई से इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के छह दिनों के महत्वपूर्ण दौरे पर रवाना हो रहे हैं। पीएम मोदी 6 से 8 जुलाई तक इंडोनेशिया में रहेंगे। इसके बाद वह 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर का दौरा करेंगे और अपने आखिरी पड़ाव में 10 से 11 जुलाई को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड पहुंचेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यह दौरा भारत की श्एक्ट ईस्ट पॉलिसीश और समुद्री सुरक्षा के श्महासागरश विजन को एक नई मजबूती देने के लिए तैयार किया गया है।

इंडोनेशिया के साथ खुलेंगे सहयोग के नए रास्तेः इंडोनेशिया में भारत के राजदूत संदीप चक्रवर्ती ने बताया कि प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी का यह इंडोनेशिया दौरा दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों को और मजबूत करेगा। साल 2018 के बाद से पीएम मोदी की यह पहली द्विपक्षीय इंडोनेशिया यात्रा है। इस दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, खेती, फूड सिक्योरिटी, विज्ञान–टेक्नोलॉजी, स्पेस, फार्मास्युटिकल्स, शिक्षा, मैन्युफैक्चरिंग और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे कई क्षेत्रों में अहम समझौते होंगे। इससे न केवल दोनों सरकारों के बीच बल्कि व्यापार और आम लोगों के स्तर पर भी संबंध बेहतर होंगे।

रक्षा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान

भारत और इंडोनेशिया के बीच रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी सहयोग तेजी से आगे बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच रक्षा उद्योगों और हथियारों की खरीद–फरोख्त को लेकर बातचीत चल रही है, जिसमें भारत की श्ब्रह्मोसश मिसाइल को लेकर भी उन्नत स्तर की चर्चा शामिल है। इसके अलावा, दोनों देशों के कोस्ट गार्ड अपने पुराने समझौते का रिन्यू करेंगे। साथ ही, दोनों देशों की नेवी के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने पर भी बात होगी।

बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर

भारत और इंडोनेशिया समुद्री पड़ोसी हैं। इसलिए भारत इंडोनेशिया के करीब बन रहे श्ग्रेट निकोबारश पोर्ट और वहां के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में अधिक शामिल होना चाहता है। राजदूत संदीप चक्रवर्ती के अनुसार, आज जब दुनिया में कई तरह के तनाव चल रहे हैं, ऐसे समय में भारत और इंडोनेशिया का एक साथ मिलकर काम करना पूरी दुनिया को एक मजबूत संदेश देगा। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे को लेकर इंडोनेशिया में काफी उत्साह है और वहां उनका बहुत भव्य स्वागत किया जाएगा।

षिकायतों को लेकर न मिले नकारात्मक फीडबैक

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा विभागवार शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों के समक्ष निस्तारण आख्या को भी पढ़कर सुनाया तथा निस्तारण के संबंध में आवश्यक सुधार हेतु दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अधिकारी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। किसी भी दशा में नकारात्मक फीडबैक प्राप्त नहीं होना चाहिए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम विभाग एवं पंचायती राज विभाग के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आईजीआरएस के प्रकरणों में शिकायतों का गंभीरतापूर्वक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ठ सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

थाना परिसर में युवक की रील वायरल

जौनपुर। रामपुर थाना परिसर में एक युवक द्वारा रील बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। वायरल वीडियो में युवक कथित तौर पर दबंग अंदाज में थाना परिसर के भीतर रील बनाता नजर आ रहा है। वायरल वीडियो में दिखाई देने वाले युवक की पहचान मनीष यादव पुत्र अनिल यादव, निवासी मुंसईपुर, थाना रामपुर के रूप में बताई जा रही है। हालांकि, इस पहचान की आधिकारिक पुष्टि पुलिस की ओर से नहीं की गई है।वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों के बीच तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि थाना परिसर जैसे संवेदनशील स्थान पर इस प्रकार की रील कैसे बनाई गई और सुरक्षा व्यवस्था के बीच इसकी अनुमति कैसे मिली। यदि वीडियो की सत्यता की पुष्टि होती है, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित युवक के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की जाती है या नहीं।

बीमारियों से बचाव हेतु बांटी होम्योपैथिक दवाई

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, आरोग्य भारती, दि होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान व डॉ सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयोजकत्व में चेयरमैन व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ अनुराग श्रीवास्तव ने बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव व रोगप्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में सहायक होम्योपैथिक औषधि वितरण अभियान पुनः पनी में चलाया। डॉ अनुराग ने प्राथमिक विद्यालय पनी द्वितीय के 38, प्राथमिक विद्यालय पनी प्रथम के 42 कुल 80 बच्चों को बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव व रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में सहायक होम्योपैथिक औषधि प्रदान की। साथ ही सभी बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। भोजन से पहले व शौच जाने के बाद साबुन से अच्छी तरह से हाथ धुलने के लिए बताया गया। इस अवसर पर बीओ जिलेदार सिंह, विद्यालय की प्रधानाचार्या चित्रांगदा सिंह, मेराज बानो व प्रमुख सहयोगी अभिनव श्रीवास्तव प्रबंध समिति सदस्य इंडियन रेडक्रास सोसाइटी उपस्थित रहे।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कल्यानपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के अनुसार कल्यानपुर थाने में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 152ध्2026, धारा 64(1) बीएनएस एवं 5ध्6 पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त सूरज पुत्र विजयकरन निवासी ग्राम बेनी हरिसिंहपुर थाना कल्यानपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई को उपनिरीक्षक अजीत सिंह एवं आरक्षी रोहित यादव ने अंजाम दिया।

कोटेदारों ने लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग

बाराबंकी। रामसनेहीघाट में कोटेदारों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय को सौंपा। इसमें कमीशन बढ़ोतरी सहित वर्षों से लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई है। ऑल इंडिया फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन, बाराबंकी की तहसील रामसनेहीघाट इकाई के पदाधिकारियों और कोटेदारों ने यह ज्ञापन सौंपा। कोटेदार एसोसिएशन के कार्यकारी जिलाध्यक्ष रविंद्र कुमार गौतम के नेतृत्व में कोटेदार तहसील पहुंचे। ज्ञापन में बताया गया कि उचित दर विक्रेताओं की कमीशन बढ़ोतरी सहित कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं। इससे कोटेदारों को आर्थिक और प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से इन मांगों का शीघ्र निस्तारण करने की अपील की। रविंद्र कुमार गौतम ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 28 जुलाई को विधानसभा का घेराव किया जाएगा

सड़क हादसे में बुजुर्ग दुकानदार की मौत, मचा कोहराम

बाराबंकी। रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र में एक बुजुर्ग दुकानदार की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। . शाम बाइक की टक्कर से घायल हुए बुजुर्ग ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पूरे राम बख्श मजरे गुलौनी निवासी मोहम्मद शब्बीर मनिहार (65) मोहम्मदपुर चौराहा के पास प्लास्टिक का सामान बेचते थे। मृतक के भाई असगर अली मनिहार ने बताया कि शाम करीब 4 बजे शब्बीर साइकिल से चाय पीने गए थे। चाय पीकर जब वह वापस अपनी दुकान लौट रहे थे, तभी मोड़ के पास एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से शब्बीर के सिर पर गंभीर चोट (हेड इंजरी) आई। परिजन उन्हें तुरंत सीएचसी बनीकोडर लेकर भागे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उन्हें सीटी स्कैन और बेहतर इलाज के लिए हिन्द अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान रात एक बजे शब्बीर की मौत हो गई।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोलः सरकार का उद्देश्य स्वच्छ ईंधन, वाहन चालकों में माइलेज को लेकर चिंता

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती।पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण (एथेनॉल ब्लेंडिंग) देश में स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। एथेनॉल एक जैव ईंधन है, जिसे मुख्य रूप से गन्ना, मक्का एवं अन्य .षि उत्पादों से तैयार किया जाता है।सरकार का उद्देश्य पेट्रोल में एथेनॉल मिलाकर आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा की बचत करना तथा देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। इसके साथ ही एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से कार्बन मोनोऑक्साइड सहित कई हानिकारक गैसों के उत्सर्जन में कमी आने की बात कही गई है, जिससे वायु प्रदूषण घटाने और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलती है।सरकार का यह भी मानना है कि एथेनॉल उत्पादन बढ़ने से गन्ना, मक्का एवं अन्य फसलों की मांग बढ़ेगी, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।हालांकि, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर कई वाहन चालकों ने अपनी चिंता भी जताई है। उनका कहना है कि ई–20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) के उपयोग से कुछ वाहनों में माइलेज कम हो रहा है तथा इंजन में तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही हैं। कुछ वाहन मालिकों का यह भी कहना है कि इससे वाहन के रखरखाव का खर्च बढ़ सकता है।विशेषज्ञों के अनुसार, यह समस्या सभी वाहनों में समान रूप से नहीं होती। जिन वाहनों को ई–20 ईंधन के अनुरूप तैयार नहीं किया गया है, उनमें ऐसी समस्याएं आ सकती हैं। इसलिए पुराने वाहनों के मालिकों को वाहन निर्माता कंपनी की सलाह के अनुसार ही ईंधन का उपयोग करना चाहिए। वहीं, नए मॉडल के अधिकांश वाहन ई–20 ईंधन के अनुकूल बनाए जा रहे हैं।सरकार का मानना है कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, माइलेज और इंजन संबंधी शिकायतों को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि इनका प्रभाव वाहन की तकनीक, इंजन की स्थिति और रखरखाव पर भी निर्भर करता है। इसलिए वाहन मालिकों को किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले अपने वाहन निर्माता की सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

साइबर सेल की त्वरित कार्रवाई से पीड़ित के खाते में लौटी पूरी धनराशि

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती।जनपद श्रावस्ती की साइबर सेल ने ऑनलाइन ठगी के एक मामले में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए यूपीआई के माध्यम से ठगे गए 18,797 रुपये पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दिए। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को बड़ी राहत मिली है।पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम आलोक कुमार के नेतृत्व में हरदत्तनगर गिरण्ट थाना के प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय एवं साइबर सेल टीम ने शिकायतकर्ता आकर्ष मिश्रा, निवासी ग्राम इटहिया, थाना हरदत्तनगर गिरण्ट, की शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई की।पीड़ित ने 22 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार साइबर ठगों ने यूपीआई के माध्यम से उनके बैंक खाते से 18,797 रुपये की धोखाधड़ी कर ली थी।शिकायत प्राप्त होते ही साइबर सेल ने संबंधित बैंक एवं अन्य एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई की। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप ठगी गई पूरी 18,797 रुपये की धनराशि पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दी गई।श्रावस्ती पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई भी व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर धनराशि वापस कराई जा सके।

मुख्यमंत्री के संभावित जनपद भ्रमण के तैयारियों की डीएम ने की विस्तृत समीक्षा, अधिकारियों को समय से व्यवस्थाएं पूर्ण करने का दिया निर्देश

कुशीनगर। आगामी सप्ताह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित जनपद भ्रमण के मद्देनजर कैंप कार्यालय में जिलाधिकारी की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में प्रशासनिक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल पर हेलीपैड निर्माण, वीआईपी एवं सामान्य पार्किंग, आगंतुकों के लिए शुद्ध पेयजल, पर्याप्त बैठक व्यवस्था, पंडाल एवं मंच निर्माण, सेफ हाउस की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, साफ सफाई, विद्युत, चिकित्सा, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जाने वाले प्रदर्शनी स्टॉलों की तैयारियों, अन्नप्राशन कार्यक्रम तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं स्वीकृति पत्र वितरण की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उन्हें सौंपे गए सभी कार्यों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रत्येक व्यवस्था का पूर्व परीक्षण सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया जा सके। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कार्यक्रम स्थल पर आने वाले आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी विभाग अपने–अपने दायित्वों का नियमित अनुश्रवण करते हुए प्रगति से अवगत कराते रहें।

सोनौली बॉर्डर पर ढाई किलो प्रतिबंधित ड्रग्स के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

सीमा पर जांच के दौरान सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई, अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोनौली बॉर्डर पर सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब ढाई किलोग्राम प्रतिबंधित ड्रग्स के साथ 30 वर्षीय महिला को गिरतार किया है।बताया गया कि सीमा पर नियमित जांच अभियान के दौरान संदिग्ध महिला को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से लगभग ढाई किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद हुआ। बरामद ड्रग्स को कब्जे में लेकर महिला को हिरासत में ले लिया गया।प्रारंभिक पूछताछ में महिला से ड्रग्स के स्रोत, गंतव्य और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क से जोड़कर भी जांच कर रही हैं।गिरतार महिला के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि भारत–नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जांच और निगरानी लगा

सड़क हादसे में घायल युवक मदद के लिए लगाता रहा गुहार, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

कुशीनगर,। जनपद के कसया थाना क्षेत्र के बाड़ी पुल के समीप शनिवार देर शाम हुए एक सड़क हादसे के बाद यातायात पुलिस और होमगार्ड के एक जवान के कथित रवैये को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि गंभीर रूप से घायल दुकानदार को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के बजाय पुलिसकर्मी पूछताछ में उलझे रहे और बाद में मौके से चले गए।

जानकारी के अनुसार शामपुर–हतवा मार्ग के मोड़ के सामने अपनी गुमटी बंद कर सड़क पार कर रहे दुकानदार निराला तिवारी को कसया की ओर से तेज रफ्तार आ रही एक बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। आरोप है कि बाइक चला रहा व्यक्ति होमगार्ड का जवान था। टक्कर इतनी तेज थी कि निराला तिवारी सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग घायल की मदद के लिए दौड़ पड़े और उसे अस्पताल पहुंचाने की मांग करने लगे। आरोप है कि इस दौरान संबंधित होमगार्ड जवान ने वर्दी का रौब दिखाते हुए लोगों से अभद्र व्यवहार किया। इसी बीच मौके पर पहुंची यातायात पुलिस से भी लोगों ने घायल युवक को तत्काल अस्पताल भिजवाने की अपील किया लेकिन पुलिस पहले घायल से नाम–पता और वाहन से संबंधित जानकारी पूछने में जुटे रहे। स्थानीय लोगों का दावा है कि घायल दर्द से कराहते हुए पुलिसकर्मियों से इलाज कराने की गुहार लगाता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घायल ने कहा कि उसके मुंह से खून निकल रहा है और पहले इलाज की आवश्यकता है, लेकिन उसकी बात को प्राथमिकता नहीं दी गई। लोगों का आरोप है कि पूछताछ के बाद यातायात पुलिस मौके से चली गई, जबकि घायल काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा। बाद में स्थानीय लोगों ने स्वयं उसे अस्पताल पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था कराई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों तथा संबंधित होमगार्ड के जवान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग किया है। उनका कहना है कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना पुलिस और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। इस मामले में कसया थानाध्यक्ष इत्यानंद पांडेय ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है और पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कानून सभी के लिए समान है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है।

वर्षों से जमे लेखपालों की हिली कुर्सी, डीएम ने एक झटके में बदला समीकरण

डीएम का प्रशासनिक प्रहारः 63 लेखपालों का तबादला, विभाग में मचा हड़कंप।

कुशीनगर। जनपद में लंबे समय से एक ही तहसील में अंगद के पांव की तरह जमे बैठे लेखपालों पर आखिरकार जिलाधिकारी का डंडा चल ही गया। प्रशासनिक कसावट और राजस्व व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के निर्देश पर एक झटके में 63 लेखपालों का स्थानांतरण कर दिया गया है। कहना ना होगा कि डीएम के सख्त रुख ने आखिरकार उन लेखपालों की जमी–जमाई बादशाहत पर चोट कर दी है, जो वर्षों से एक ही तहसील में जमे हुए थे। लेखपालों के सामूहिक स्थानांतरण की सूची में सबसे अधिक चर्चा लेखपाल राधेश्याम सिंह के नाम की हो रही है, जो तकरीबन एक वर्ष पूर्व हुए स्थानांतरण के बाद भी कसया तहसील छोडने का नाम नही ले रहे थे अब उनकी विदाई कसया से तय है क्योंकि उनका स्थानांतरण भी तमकुहीराज तहसील कर दिया गया है।

जारी आदेश के अनुसार पडरौना, कसया, हाटा, खड्डा, तमकुहीराज और कप्तानगंज तहसीलों में तैनात लेखपालों को एक–दूसरे तहसीलों में भेजा गया है। वर्षों से एक ही क्षेत्र में जमे कई लेखपालों को हटाकर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजस्व विभाग में अक्सर यह चर्चा रहती है कि कुछ कर्मचारी वर्षों तक एक ही क्षेत्र में जमे रहते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर प्रभाव और नेटवर्क मजबूत हो जाता है। इस बार प्रशासन ने ऐसे समीकरणों को तोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।स्थानांतरण सूची में ऐसे कई नाम शामिल हैं जो लंबे समय से एक ही तहसील में कार्यरत थे। प्रशासनिक गलियारों में माना जा रहा है कि यह कार्रवाई राजस्व कार्यों की निष्पक्षता बढ़ाने और स्थानीय प्रभाव को समाप्त करने की रणनीति का हिस्सा है।

पडरौना से कप्तानगंज और तमकुहीराज तक बदले समीकरण–– तबादला आदेश में सबसे अधिक फेरबदल पडरौना, कसया और कप्तानगंज तहसीलों में देखने को मिला। कई लेखपालों को पडरौना से कप्तानगंज, खड्डा और तमकुहीराज भेजा गया है, जबकि अन्य तहसीलों से भी बड़ी संख्या में लेखपालो को नई तैनाती दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी स्थानांतरित लेखपाल तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त होकर अपनी नई तैनाती स्थल पर योगदान सुनिश्चित करें। साथ ही उनका वेतन भी नवीन तैनाती स्थल से ही आहरित किया जाएगा।

कार्यालयों में चर्चाओं का बाजार गर्म––तबादला सूची जारी होने के बाद तहसील और राजस्व कार्यालयों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। कुछ कर्मचारी इसे प्रशासनिक व्यवस्था सुधारने की दिशा में सकारात्मक कदम बता रहे हैं, जबकि कई लोगों के लिए यह आदेश अप्रत्याशित साबित हुआ है। सूत्रों का कहना है कि स्थानांतरण नीति के तहत आगे भी राजस्व विभाग में समीक्षा की जा सकती है और लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे अन्य कर्मचारियों पर भी स्थानांतरण की कार्रवाई हो सकती है। फिलहाल इतना तय है कि जिलाधिकारी के इस फैसले ने राजस्व विभाग में वर्षों से चले आ रहे रसूख के साम्राज्य को झकझोर स्पष्ट कर दिया है कि शासन की स्थानांतरण नीति से ऊपर कोई नहीं। सूत्र बताते हैं कि कसया तहसील में वर्षों से जमे लेखपाल राधेश्याम सिंह को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। राजस्व विभाग के गलियारों में चर्चा है कि राधेश्याम सिंह पूर्व में हुए स्थानांतरण आदेशों के बाद भी कसया तहसील में ही बने हुए थे। लंबे समय से एक ही क्षेत्र में कार्यरत रहने के कारण उनका प्रभाव क्षेत्र में काफी मजबूत माना जा रहा था। लेकिन इस बार जिलाधिकारी के कड़े प्रशासनिक फैसले ने उनकी भी जड़ें हिला दीं। ऐसे में जब नई सूची जारी हुई तो राधेश्याम सिंह का नाम सबसे चर्चित नामों में शामिल रहा। मजे की बात यह है कि जिन लेखपालों को हटाना मुश्किल माना जाता था, उन्हें भी इस बार नई तैनाती स्थल के लिए रवाना होना पड़ रहा है।

विक्रांत बनारसी को साहित्य शिरोमणि अलंकरण से नवाजा गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वाधान में शहीद स्थल पर काव्य संध्या का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ शिवेन्द्र व मुख्य अतिथि सीताराम राय विक्रांत बनारसी तथा कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम की वाणी वंदना से आयोजन का आगाज हुआ।

साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मुख्य अतिथि सीताराम राय विक्रांत बनारसी को साहित्य शिरोमणि अलंकरण से नकद धनराशि, अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न, अभिनंदन पत्र, लेखनी, डायरी, साहित्य .ति देकर विधिवत सारस्वत अभिनंदन किया गया। संयोजन व सफल संचालन करते हुए प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने गंग ओ जमन हो, महकता चमन हो, आदमी सा मन हो शहादत नमन् हो सुनाकर वाहवाही लूटी। कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने, जान दे दूंगी अपने वतन के लिए, तन मन धन मेरा अर्पित चमन के लिए, आओ मिलकर सजायें सभी एक हो, प्रीत मुस्कान चौन ओ अमन के लिए सुनाकर पूरी महफ़िल लूट लिया और

सराहना बटोरीं। दिलीप सिंह दीपक ने बुजुर्गों ने लहू देकर रखी है आबरू इसकी, तुम सब कुछ बेच दो लेकिन हिंदुस्तान मत बेचो अपनी कालजयी रचना से सत्ता को नसीहत दे लोगों का मन मोहा। अशोक तिवारी ने प्यार मोहब्बत की शायरी, तुमसे हमने प्यार किया और क्या किया यूँ जिंदगी गुजार दिया और क्या किया सुनाकर श्रोताओं को आनंदित किया। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने, तिरंगे में सजे अर्थी बजे धुन राष्ट्र गीतों की, जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले सुनाकर वीर शहीदों को नमन किया। ओज के मुखर स्वर प्रभात सिंह चंदेल ने,हो जाऊँ कुर्बान अगर माँ भारती के चरणों में, मेरे मस्तक पर मेरा भारत महान लिख देना सुनाकर श्रोताओं को रोमांचित कर देर तक तालियां बजवाते रहे। सोन संगीत फाउंडेशन के सुशील मिश्रा ने सस्वर लोकगीत, जागल रहा जवान औ जागल रहा किसान, तोहरे दम पर हिंदुस्तान सबकर तोहरे में परान, सुनाकर गतिज उर्जा का संचरण किया। दिवाकर दिवेदी मेघ ने, आज कितना आदमी अब रह गया है आदमी, गंभीर चिंतन देकर लोगो को झकझोरा तो वहीं चर्चित हास्य रचना , बरवा कटाके कटकौवा, बीए पढ़े लागल बा बेटौवा सुनाकर श्रोताओं को देर तक हंसाते रहे। धर्मेश चौहान ने टीबी और बीबी हास्य रचना से लोगों को लोटपोट कर दिया तो वहीं देश गीत बड़ा ही सुंदर बड़ा ही मनहर अपना भारत देश सुनाकर चार चांद लगाया।विवेक चतुर्वेदी शाइर ने, हुस्न की शोखियां ही ऐसी हैं, कोई कैसा भी हो फिसल जाये सुनाकर गजल कता नज्म से मन मोह लिया।सीताराम राय विक्रांत बनारसी ने ऐसे हालात हो गये अपने। अब जुबां का असर नहीं होता, तथा तेरे दर्द की हर चुभन चूम लेंगे, वतन तेरी खातिर कफन चूम लेंगे बलिदान की पराकाष्ठा को इंगित कर श्रोताओं को ज्वलंत मुद्दा दिया और देश की दिशा दशा पर नब्ज़ रक्खा। अंत में अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्य कार कथाकार रामनाथ शिवेन्द्र ने आम आदमी की छटपटाहट भय भूख त्रासदी युद्ध हिंसा घृणा के बीच पिस रही मनुजता को बिंबित कर वक्तव्य देकर जागरण करते हुए कौमी एकता की मारक रचना, हमें रोटियां ही दीजिये बहुत भूख लगी है, दे रहे हैं गीता कुरान किसलिए तथा पंचायत घर में मिली है लाश देखिये सुनाकर आयोजन को पूर्णता दिये। सभी कवियों का अंगवस्त्र माल्यार्पण से सम्मान किया गया। आभार ऋषभ त्रिपाठी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर बृज किशोर देव पांडेय, पुरुषोत्तम कुशवाहा, ठाकुर कुशवाहा, नीरज त्रिपाठी, सुनील देव, फारुख अली हाश्मी, विजयानंद चौहान, आद्या, अंशिका, शिव मोचन ,अनमोल पांडे ,ममता, समता, ऋचा, विजयशंकर त्रिपाठी आदि देर शाम तक जमे रहे।

जमीनी विवाद में चले लाठी–डंडे और ईंट–पत्थर,

वीडियो वायरल, पुलिस ने चार के खिलाफ किया मुकदमा दर्ज,दो गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।म्योरपुर थाना क्षेत्र के लिलासी कला गांव में जमीन

विवाद को लेकर एक दंपती के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। और मार पीट का वीडियो वायरल हो रहा है। शिकायत पर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक लिलासी निवासी चतुर्गुन प्रसाद पुत्र बेचन प्रसाद ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि गांव के उसके भाई चमन पुत्र बेचन राम, राजेश पुत्र चमन, भोला पुत्र चमन तथा नवीन पुत्र भोला ने जमीन के विवाद को लेकर उन्हें और उनकी पत्नी सुनैना देवी को गाली–गलौज करते हुए लाठी–डंडों से मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने धारा 115(2), 352 एवं 351(3) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया है।और दो लोगों को गिरतार कर लिया है शेष आरोपियों की तलाश की जा रही है चौकी इंचार्ज श्रीराम ने बताया कि पुलिस ने घायल दंपती का मेडिकल परीक्षण कराया। उपनिरीक्षक ने कहा कि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

सदस्य महिलाओं के पाल्यों का भी भविष्य संवरेगा एमपीओ'

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से बनी श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (एमपीओ) से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं को बहुआयामी लाभ मिल रहा। डेयरी सेक्टर के इस उद्यम की सदस्य बनकर इन महिलाओं ने न केवल खुद आत्मनिर्भरता की मंजिल चुनी है बल्कि अब उनके पाल्यों का भविष्य संवारने के लिए भी एमपीओ से मार्गदर्शन मिल रहा है। एमपीओ ने सदस्य महिलाओं के उन बच्चों जो कक्षा 9 से 12 तक अध्ययनरत हैं, के लिए दो दिन वर्कशॉप आयोजित कर उनकी रुचि के अनुसार करियर ओरिएंटेड फील्ड में आगे बढ़ने की राह दिखाई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिरुचि एवं योग्यता का आकलन किया गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक, तकनीकी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी देते हुए उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप करियर नियोजन, कौशल विकास तथा भविष्य की तैयारी पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।सदस्य महिलाओं के पाल्यों के लिए आयोजित करियर डेवलपमेंट एंड गाइडेंस प्रोग्राम के तहत विशेषज्ञ करियर कांउसर्ल्स ने दो दिन अलग–अलग सत्रों में मनोवैज्ञानिक तरीके से अंतर्संवाद और परीक्षण कर विद्यार्थियों की अभिरुचि का पता लगाया। इसके बाद उन्हें सही करियर पथ चुनने का मार्गदर्शन दिया गया। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुए इस प्रोग्राम के दौरान करीब सौ बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ सहभागिता की और अपनी रुचि, योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप वैज्ञानिक आधार पर करियर गाइडेंस प्राप्त किया। श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीओ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ध ानराज साहनी बताते हैं कि एमपीओ के सुचारू संचालन के साथ सदस्य महिलाओं के परिवार के समग्र कल्याण के लिए विविध प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पहले सदस्यों के घर गोबर गैस प्लांट लगवाने की पहल की गई और अब मैट्रिक और माध यमिक स्तर तक की पढ़ाई कर रहे उनके बच्चों के भविष्य को सुनियोजित आकार देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का वास्तविक सशक्तिकरण तभी संभव है, जब उनके बच्चों को अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हों।सीईओ ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से गठित श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर्स ऑर्गनाइजेशन की सदस्यधेयरहोल्डर बनीं महिलाएं लगातार अपनी आजीविका को सुदृढ़ कर रही हैं। नवंबर 2023 में क्रियाशील हुई इस एमपीओ के जरिये डेयरी सेक्टर से जुड़कर पूर्वी उत्तर प्रदेश की 65000 से अधिक ग्रामीण घरेलू महिलाओं ने आर्थिक स्वावलंबन की राह पकड़ ली है। ये महिलाएं गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ और मऊ जिले के करीब एक हजार गांवों की हैं। इन महिलाओं ने घरेलू कामकाज निपटाने के साथ ही दुग्ध उत्पादनध्संग्रह के रोजगार से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिकी को भी मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।सदस्य महिलाओं के परिश्रम से श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर एमपीओ का टर्नओवर करीब 200 करोड़ रुपये का हो चुका है।

मारकुंडी में विकसित होगा नया औद्योगिक क्षेत्र, रोजगार की होगी भरमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। देश में सर्वाधिक बिजली का उत्पादन करने वाला सोनभद्र जिला अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में औद्योगिक विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार की विकासवादी सोच से जिले में बड़ी परियोजनाएं लगातार धरातल पर उतर रही हैं, जिनमें हजारों युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। इसी कड़ी में युवाओं को विश्वस्तरीय कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार व स्वरोजगार के अवसर एक ही मंच पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योगी सरकार सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र विकसित करेगी। जिला प्रशासन ने 50 एकड़ में विकसित होने वाले इस अत्याधुनिक औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि का चयन कर प्रस्ताव शासन को भेजा है। औद्योगिक क्षेत्र विकसित होने के बाद युवाओं के लिए रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध होंगे, उन्हें रोजगार के लिए उन्हों ने बताया कि इस

पलायन नहीं करना होगा साथ ही सोनभद्र की औद्योगिक पहचान को भी नई दिशा मिलेगी।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि युवाओं को प्रशिक्षण, रोजगार व स्वरोजगार एक ही मंच पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मारकुंडी में 50 एकड़ भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। शासन के निर्देश पर भूमि का चयन कर प्रस्ताव भेजा गया है। मंजूरी मिलते ही युद्ध स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। अत्याधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट सेंटर, औद्योगिक ईकाइयां व उत्पादों के आउटलेट के निर्माण के साथ ही पर्यावरण का विशेष ख्याल रखते हुए हरित आवरण सुनिश्चित किया जाएगा। बताया कि यहां युवाओं को आईटी, एआई, रोबोटिक्स, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटैलिटी सहित आधुनिक क्षेत्रों में उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत युवाओं को औद्योगिक क्षेत्र में ही रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि इस परियोजना से स्थानीय एमएसएमई, स्टार्टअप एवं नए उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे जिले में निवेश, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।जिलाधिकारी ने बताया कि इस औद्योगिक क्षेत्र को प्लग–एंड–प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर नीति के तहत विकसित किया जाएगा। यहां बिजली, पानी, सड़क, सीवरेज और इंटरनेट जैसी सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ–साथ उद्योगों को तेजी से स्थापित करने के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यहां उद्यमियों के लिए तैयार फैक्ट्री शेड्स उपलब्ध जिससे वे अपनी मशीनें लगाकर तुरंत उत्पादन शुरू कर सकें। बताया कि यह परियोजना सोनभद्र को पूर्वांचल एवं विंध्य क्षेत्र के प्रमुख औद्योगिक, कौशल विकास एवं रोजगार केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगी।

ट्रैक्टर की चपेट में आया युवक, उपचार के दौरान मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना क्षेत्र के चौनपुर गांव में शनिवार शाम ट्रैक्टर के धक्के से युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया।घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।जिला अस्पताल में उपचार के दौरान युवक ने दम तोड दिया।जानकारी के अनुसार शनिवार को ट्रेक्टर के धक्के चौनपुर निवासी 18 वर्षीय धीरज पुत्र रामजन्म आटा पिसाई के लिए ट्रैक्टर लगवा रहा था।कि इस दौरान ट्रैक्टर बैक करते समय वह अनियंत्रित होकर धीरज को धक्का मार दिया। हादसे में धीरज गंभीर रूप से घायल हो गया।ग्रामीणों ने तुरंत घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार सुबह करीब 7 बजे धीरज ने दम तोड़ दिया। धीरज की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। अस्पताल के मेमो के आधार पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पेयजल को लेकर आदिवासियों ने किया विरोध प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सरकार कितना ही महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाए लेकिन अधिकारी उसका क्रियान्वयन सही ढंग से न कर पाए तो योजनाएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। इसी प्रकार का एक मामला रेणुका पार क्षेत्र में देखने को मिला है। रेणुका पार क्षेत्र के ग्राम पंचायत पनारी एवं ग्राम पंचायत परसोई में स्थित टोला खैराही मे भयंकर पानी की समस्या को लेकर सैकड़ो आदिवासियों ने नाराजगी दिखाते हुए रविवार को विशाल विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आदिवासियों ने जमकर नारेबाजी भी की। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे रविंद्र सिंह यादव कार्यवाहक प्रदेश सचिव छात्र मंच अपना दल एस ने

बताया कि ग्राम पंचायत पनारी एवं परसोई दोनों ग्राम पंचायत में टोला खैराही आता है।लेकिन ग्राम पंचायत पनारी क्षेत्र में स्थित टोला खैराही मे पेयजल को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधान मंत्री की सबसे महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल योजना के तहत घरों के सामने टोटी तो लगा दी गई है लेकिन पानी का पता ही नहीं है। जिससे आदिवासी समाज के लोग पेय जल के लिए एक–एक बूंद के लिए तरस रहे है।वही यह विधानसभा क्षेत्र समाज कल्याण मंत्री संजीव कुमार गौड़ का होने के बावजूद जिम्मेदार अनदेखी कर रहे है।आदिवासी समाज काफी नाराज दिखाई दे रहा है। कहा कि बार बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत करने के बावजूद आदिवासियों की समस्या का समाधान नहीं करा पाए जिससे सरकार की छवि खराब हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि समय रहते जिलाधिकारी महोदय या संबंधित विभाग के अधिकारी समस्या का समाधान नहीं किए तो जल्द ही एक बड़ा आंदोलन आदिवासी समाज करने के लिए विवश होगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। प्रदर्शन करने वालो में प्रमुख रूप से शिवसागर गोंड, रामईश्वर खरवार, मानिकचंद गोंड, रामप्रसाद खरवार, राम प्यारे खरवार, राजबहादुर खरवार, शिवकुमार खरवार, रवि खरवार, अमरजीत खरवार, इंद्रपाल खरवारआदि सैकड़ो आदिवादी महिलाएं मौजूद रही।

एक पेड़ मां के नाम के तहत ब्लॉक प्रमुख ने किया वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।एक जुलाई से सात जुलाई तक चलने वाले एक पेड़

मां के नाम वन महोत्सव के तहत वन विभाग माची रेंज द्वारा वृक्षारोपण किया गया वृक्षारोपण रविवार को विकास खंड नगवां के कम्हरियां स्थिति छत्रपति शाहूजी जी महाराज इंटर कालेज पर किया गया जिसके मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख नगवां आलोक कुमार सिंह ने आम,अमरूद, आंवला आदि का पौधरोपण किया वहीं विद्यालय के छात्र छात्राओं को पौधरोपण के लिए पौधा भी वितरित किया गया इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि पेड़ हम सभी के जीवन का आधार है एक पेड़ सौ पुत्र के समान है सभी को चाहिए कि पेड़ अवश्य लगाएं और उसका संरक्षण करे वही रेंजर नविन राय ने सभी का आभार जताया इस मौके पर वन दरोगा रामजी लाल,देवी सिंह, पन्नालाल पासवान, प्रधानाचार्य कमलेश पटेल आदि लोग मौजूद रहे

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत जनपद में चला विशेष स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत रविवार को जनपद भर में व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उच्च जोखिम वाले ग्रामों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष साफ–सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान में सफाईकर्मी, पंचायत सहायक, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा ग्राम प्रधानों ने सक्रिय सहभागिता

एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया।अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता गतिविधियों को प्राथमिकता दी गई। 63 गांवों में नालियों की सफाई कराई गई तथा 117 स्थानों पर झाड़ियों की कटाई की गई। पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 71 हैंडपंपों की मरम्मत कराई गई और 26 हैंडपंपों के चबूतरों का निर्माण एवं मरम्मत कराया गया। इसके अतिरिक्त 22 शौचालयों का निर्माण कराया गया तथा नगर पंचायत क्षेत्रों में 45 स्थानों पर नालियों की सफाई कराई गई।नगरीय क्षेत्रों के 5 वार्डों में फॉगिंग कराई गई। पशुपालकों को संचारी रोगों से बचाव एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा .तंक (चूहा) नियंत्रण के लिए जनपद में 30 जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं। प्रशासन ने आमजन से स्वच्छता बनाए रखने तथा संचारी रोगों से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की है।यदि यह जिलाधिकारी कार्यालय के लिए प्रेस नोट है, तो इसे सरकारी प्रेस विज्ञप्ति की शैली में भी तैयार किया जा सकता है।

मोबाइल चार्जर लगाते समय करंट से युवक की मौत,चार मासूमों के सिर से उठा पिता का साया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।कोन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कचनरवा के टोला नरोईयादामर में शनिवार रात एक दर्दनाक हादसे में मोबाइल चार्जर लगाते समय करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया, जबकि मृतक के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। चार छोटे–छोटे बच्चों के सिर से पिता का साया उठ जाने से परिवार गहरे सदमे में है।मिली जानकारी के अनुसार, नेरुईयादामर निवासी अनुज गिरी (30) पुत्र श्यामलाल गिरी शनिवार रात करीब नौ बजे अपने घर में मोबाइल चार्जर बिजली बोर्ड में लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें तेज करंट का झटका लगा और वह गंभीर रूप से झुलसकर अचेत हो गए। घटना से घर में अफरा–तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण आनन–फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विंढमगंज ले गए, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही कोन पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया।बताया जाता है कि अनुज गिरी मेहनत–मजदूरी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनकी असामयिक मृत्यु से पत्नी समेत पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। चार मासूम बच्चों के भविष्य को लेकर परिजन और ग्रामीण चिंतित हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है मृतक के परिजनों को सांत्वना देने के लिए उनके घर लोग आते रहे।ग्रामीणों एवं परिजनों ने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता एवं उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में परिवार को कुछ राहत मिल सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

पवन कल्याण की ओजी 2 में पूजा हेगड़े होंगी शामिल? लग सकता है बड़ा दांव

पवन कल्याण की फिल्म दे कॉल हिम ओजी पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दर्शकों से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद, निर्माताओं ने इसकी दूसरी कड़ी का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। हाल ही में, अभिनेता की टीम की तरफ से एक पोस्ट

के जरिए सीक्वल पर अपडेट साझा किया गया था। अब खबर है कि इस एक्शन ड्रामा के दूसरे भाग में अभिनेत्री के तौर पर पूजा हेगड़े को शामिल किया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ओजी 2 में पूजा को संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। हालांकि निर्माताओं की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेजी से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। फिल्म की पहली कड़ी में प्रियंका मोहन ने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया था, लेकिन कहानी के बीच में उनकी मौत का दृश्य देखने को मिला था। इसलिए, सीक्वल के लिए पूजा का नाम चर्चा में है।

हाल ही में, निर्माताओं ने ओजी 2 का ऐलान करते हुए एक वीडियो साझा किया था। इसमें पवन के साथ निर्देशक सुजीत की पहली रचनात्मक बैठक को दिखाया गया था। वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा था, तूफान आने से पहले... एक पल का मौन छा जाता है। गंभीरा की अनकही कहानी अब सामने आने के लिए तैयार है। साथ में ओजी यूनिवर्स लिखा था। इस ऐलान के बाद से फैंस परियोजना को लेकर बेहद उत्साहित चल रहे हैं।

3 साल के बाद साइलेंट ड्रॉप के साथ रिलीज हुई दिलजीत दोसांझ की फिल्म पंजाब 95, मेकर्स ने नाम बदलकर टाइटल रखा सतलुज

पंजाब 95 आखिरकार आज, 3 जुलाई से जी5 पर हिंदी में स्ट्रीम हो ही है. साइलेंट ड्रॉप (बिना किसी बड़े प्रचार के रिलीज) के साथ ही इसकी चर्चा शुरू हो गई थी. फिल्म का नाम बदलकर सतलुज कर दिया गया है. हनी त्रेहान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, अर्जुन रामपाल, कंवलजीत सिंह, सुविंदर विक्की और गीतिका विद्या ओल्यान मुख्य भूमिकाओं में हैं. पिछले कुछ सालों से सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के साथ अटकी हुई दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज (जिसे पहले पंजाब 95 नाम दिया गया था और जिसमें काफी देरी हुई) सीधे जी5 पर स्ट्रीम हो रही है. स्ट्रीमर ने यह एलान कर फैंस को खुशखबरी दी. ट्रेलर के अनुसार, यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा के सफर को दिखाती है, जो पहले बैंक मैनेजर थे और जिन्होंने पंजाब में उग्रवाद के दौर में बड़े पैमाने पर लोगों के गायब होने और गैर–न्यायिक हत्याओं का पर्दाफाश किया था. यह फिल्म हजारों लोगों के रहस्यमय ढंग से गायब होने की भयावह सच्चाई और न्याय की तलाश कर रहे परिवारों द्वारा भुगती गई भारी मानवीय कीमत को सामने लाती है. आतंकवाद, राजनीतिक हिंसा और डर से जूझते माहौल में, जहां हजारों लोग बिना किसी कारण के गायब हो गए और न्याय मिलना मुश्किल था, एक आम आदमी ने एक असाधारण सिस्टम के खिलाफ खड़े होने का फैसला किया. गायब हुए 25,000 से ज्यादा लोगों को न्याय दिलाने की उनकी दशकों लंबी कोशिशों की उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी. शुरू में पंजाब 95 नाम की यह फिल्म तीन साल तक सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के पास अटकी रही. खबरों के मुताबिक, फिल्म में बड़े 127 कट और बदलाव की मांग की गई, जिसकी वजह से इसे लगभग 36 महीनों तक देश में रिलीज नहीं किया जा सका. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलीज होने से पहले इस फिल्म के तीन नाम रहे हैं. शुरू में इसका नाम घल्लूघारा रखा गया था, जो 1746, 1762 और 1984 में सिखों के नरसंहार के लिए इस्तेमाल होने वाला एक ऐतिहासिक शब्द है. जब आरएसवीपी ने 2022 के आखिर में भारत के सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से सर्टिफिकेट के लिए अप्लाई किया, तो छह महीने चली इस प्रक्रिया के बाद फिल्म को कट और नाम बदलकर पंजाब 95 करने की शर्त के साथ मंजूरी मिली. आरएसवीपी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ अपील की. उसी दौरान, 2023 टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होने वाले फिल्म के ग्रैंड प्रीमियर से इसे हटा लिया गया. उस समय एक सूत्र ने मीडिया को बताया था कि इस फैसले के पीछे राजनीतिक कारण थे. इसके बाद, सतलुज को सीबीएफसी के साथ एक मुश्किल लड़ाई लड़नी पड़ी, जिसके नतीजे में फिल्म में 127 कट लगाने की भारी–भरकम मांग की गई. इस फिल्म को पिछले साल 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, लेकिन इसमें और देरी हो गई. इसके बाद सीबीएफसी के सुझावों के आधार पर इसका नया नाम सतलुज रखा गया.

राम चरण की फिल्म पेद्दी की ओटीटी रिलीज डेट आई सामने, 9 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

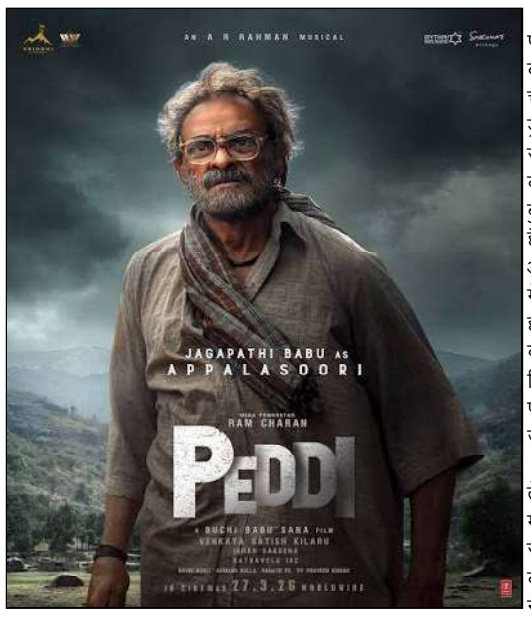

वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर तकरीबन 400 करोड़ रुपये कमाने वाली साउथ एक्टर राम चरण स्टारर स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म पेद्दी की ओटीटी स्ट्रीमिंग की ऑफिशियल डेट का एलान हो गया है. पेद्दी को बुची बाबू सना ने डायरेक्ट किया है और फिल्म में राम चरण अलग–अलग एथलीट अवतार में दिख रहे हैं. फिल्म में उनकी हीरोइन बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हैं. चलिए अब जानते हैं फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किस तारीख को स्ट्रीम होने जा रही है.

पेद्दी ओटीटी पर 5 भाषाओं तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में स्ट्रीम होने जा रही है. पेद्दी आगामी 9 जुलाई को अग्रणी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है. नेटफ्लिक्स ने अपने इंस्टाग्राम और एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी है. नेटफ्लिक्स ने इस जानकारी को शेयर कर अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, खेल बदल सकता है, लेकिन चौंपियन वही रहता है. अब राम चरण के फैंस के लिए यह न्यूज किसी गुडन्यूज से कम नहीं है. अब साउथ स्टार के फैंस को 9 जुलाई का इंतजार बेसब्री से है.

पेद्दी में राम चरण लीड रोल में हैं. इनके अलावा फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु, बोमन ईरानी, जगपति बाबू और तारक पोनप्पा सहित अन्य कलाकार भी हैं. फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान ने तैयार किया है. जाह्नवी कपूर फिल्म की लीड एक्ट्रेस हैं, जबकि श्रुति हासन एक आइटम सॉन्ग में दिखाई दे रही हैं. फिल्म तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में स्ट्रीम होगी, जबकि हिंदी का प्रीमियर कथित तौर पर अगस्त में होगा.

पेड्डी राम चरण, जो एक दूर आदिवासी गांव में रहते हैं, जहां बुनियादी जरूरतें और अधिकारों और आधिकारिक सामाजिक पहचान से वंचित लोग रहते हैं. अपने लोगों का सम्मान हासिल करने और गांव के लिए एक वैध रेलवे स्टेशन बनवाने के लिए पेद्दी (राम चरण) एक संकल्प लेता है. इसके लिए वह अलग–अलग खेल में अपनी प्रतिभा दिखाता है.

बता दें, फिल्म में जाह्नवी कपूर द्वारा निभाए गए किरदार अचियम्मा के सीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया था और कई दर्शकों को लगा कि उसे अत्यधिक कामुक तरीके से दिखाया गया है. विवाद बढ़ने पर आखिर में डायरेक्टर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए माफी मांगी और विवादित सीन को फिल्म से डिलीट कर दिया.

बॉक्स ऑफिस पर अल्फा के आगे नहीं चला बेबी डू डाई डू का जादू, हुमा कुरैशी की फिल्म ने किया निराश, आलिया भट्ट ने मारी बाजी

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की वॉर 2 और पठान जैसी पिछली ब्लॉकबस्टर के बाद अब इसकी

पहली महिला–प्रधान फिल्म अल्फा 03 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इसी दिन हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू ने भी दस्तक दी, लेकिन इसका ओपनिंग डे कलेक्शन कुछ खास नहीं रहा। 2024 में जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है तब से ही फैंस के बीच आलिया भट्ट की एक्शन–थ्रिलर को लेकर काफी उत्साह था। हालांकि, रिलीज के बाद फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिले–जुले रिव्यू मिले है और इसका असर फिल्म की ओपनिंग डे की परफॉर्मेंस पर भी दिखा रहा है। वहीं बेबी डू डाई डू ने तो उम्मीद से भी कम कमाई की।

सैकनिल्क के शुरुआती अनुमानों के अनुसार अल्फा ने भारत में अपने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर लगभग 9 करोड़ की कमाई की। फिल्म का भारत में ग्रॉस कलेक्शन लगभग 10.80 करोड़ रहा, जबकि विदेशी बाजारों से इसने लगभग 5 करोड़ कमाए। इस तरह पहले दिन इसका दुनिया भर में कुल ग्रॉस कलेक्शन लगभग 15.80 करोड़ रहा। देश भर में 7,534 शो के साथ रिलीज हुई अल्फा को सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर रिलीज किया गया। ज्यादा स्क्रीन और रिलीज से पहले फिल्म को लेकर बनी चर्चा के बावजूद, इसकी ओपनिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। पहले दिन के कलेक्शन के आधार पर यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अब तक की सबसे कम ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है।

पहले दिन हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू ने 778 शो में 0.40 करोड़ की नेट कमाई की। इससे भारत में कुल ग्रॉस कलेक्शन 0.48 करोड़ और कुल नेट कलेक्शन 0.40 करोड़ हो गया है।

मामूली शुरुआत के बावजूद, अल्फा ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन बेबी डू डाई डू से बेहतर कमाई की। हुमा कुरेशी और रचित सिंह स्टारर क्राइम थ्रिलर आलिया भट्ट और शारवरी की एक्शन फिल्म के शुरुआती दिन के कलेक्शन की बराबरी करने में असफल रही। अब देखना यह है कि क्या ये फिल्म आने वाले दिनों में अच्छी कमाई कर पाएगी।

प्राणायाम को अपने रूटीन का बनाएं हिस्सा, मिलेंगे ये 5 स्वास्थ्य लाभ

प्राणायाम योग का एक अहम हिस्सा है, जो सांस की गति पर ध्यान केंद्रित करके शरीर और मन को संतुलित करता है। यह न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी फायदेमंद है। प्राणायाम के अलग–अलग तरीके जैसे अनुलोम–विलोम, कपालभाति, भ्रामरी आदि का नियमित अभ्यास करने से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और तनाव कम होता है। आइए आज हम आपको प्राणायाम के अभ्यास से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताते हैं।

तनाव को कम करने में है सहायक

प्राणायाम का नियमित अभ्यास तनाव को कम करने में बहुत मदद कर सकता है। जब हम गहरी सांस लेते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है, जो हमारे दिमाग को शांत और संतुलित रखती है। इसके अलावा यह हमारी मानसिक स्थिति को भी सुधारता है और हमें अधिक सकारात्मक महसूस कराता है। प्राणायाम से हमारा ध्यान केंद्रित होता है और हम अपनी चिंताओं से दूर रहते हैं, जिससे तनाव का स्तर कम होता है।

पाचन क्रिया को कर सकता है सुधार

प्राणायाम का नियमित अभ्यास पाचन क्रिया के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गहरी सांस लेने से हमारे पेट में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जो पाचन रसों के उत्पादन को बढ़ाती है और हमारी आंतों को स्वस्थ रखती है। इसके अलावा प्राणायाम से हमारी आंतों की मांसपेशियों में मजबूती आती है, जिससे खाना आसानी से पचता है। नियमित प्राणायाम से कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है और हमारा पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में है कारगर

प्राणायाम रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मदद करता है। नियमित रूप से प्राणायाम करने से हमारे शरीर की रक्त संचार प्रणाली बेहतर होती है, जिससे पोषक तत्वों और ऑक्सीजन का वितरण पूरे शरीर में सही तरीके से होता है। इसके अलावा प्राणायाम से हमारी श्वसन प्रणाली भी मजबूत होती है, जिससे हम आसानी से सांस ले पाते हैं और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है। इससे हमारा शरीर संक्रमण और बीमारियों से लडने में सक्षम बनता है।

नींद की गुणवत्ता हो सकती है सुधार

प्राणायाम नींद की गुणवत्ता सुधारने में भी मददगार साबित हो सकता है। रात को सोते समय अगर हम कुछ मिनट तक हल्की सांस लेते रहें तो हमारी नींद गहरी होती जाती है और सुबह ताजगी महसूस होती है। प्राणायाम से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से आराम कर पाते हैं। इसके अलावा प्राणायाम से हमारी श्वसन प्रणाली भी मजबूत होती है, जिससे हम आसानी से सांस ले पाते हैं।

मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में है मददगार

प्राणायाम मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में भी सहायक है। जब हम गहरी सांस लेते हैं तो हमारा ध्यान केंद्रित होता है और हम अधिक प्रभावी ढंग से काम कर पाते हैं। प्राणायाम से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से सोच पाते हैं। इन सभी लाभों के कारण प्राणायाम को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना बहुत जरूरी है ताकि हम स्वस्थ रह सकें।